डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,शुक्रवार 10 मार्च,2023 वर्ष–07 / अंक–292 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

यूपी में चार साल के भीतर 2 करोड़ युवाओं को मिलेगा रोजगार

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार मिशन रोजगार के तहत राज्य के दो करोड़ से जयादा युवाओं को अगले तीन–चार साल में नौकरी और रोजगार मिलेगा. सीएम योगी ने श्लखनऊ कौशल महोत्सवश के समापन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि सरकार ने सीएम अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग शुरू की है. इससे प्रदेश के साढ़े सात लाख युवाओं को जोड़ा जाएगा. यूनिवर्सिटी और कॉलेज में पढ़ने वाले युवाओं को अप्रेंटिसशिप स्कीम के तहत आधा मानदेय सरकार और आधा मानदेय इंडस्ट्री देगी. उन्हें अनुभवात्मक कार्य और नए प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा.

योगी ने कहा कि प्रदेश में मिशन रोजगार के तहत एक बड़ा अभियान चल रहा है. सारे अभियान को मिलाकर जब हम काम करेंगे तो आने वाले तीन–चार साल में प्रदेश के दो करोड़ से ज्यादा युवाओं को अलग–अलग सेक्टर में नौकरी और रोजगार से जोड़ने में सफल रहेंगे. महोत्सव में 112 कंपनियों की मौजूदगी यह साबित करती है कि हमारे पास क्षमता है.

ऑटो पार्ट्स से पैसा लेकर भाग रहा युवक गिरफ्त में, सनसनी

दि ग्राम टुडे संवाददाता सगरा सुंदरपुर प्रतापगढ़। लीलापुर थाना के सगरा सुंदरपुर बाजार मे आटो पार्टस की दुकान पर कैस काउण्टर से पैसा निकालकर फुर्र हो रहे युवक को ग्रामीणों ने दबोच लिया। ग्रामीणों ने युवक को कर्रा कर दुकान के मालिक को पैसा वापस कराया। सगरा सुंदरपुर के पहाडपुर मोड पर शिव कुमार आटो पार्टस की दुकान के संचालक है। सोमवार को देर शाम एक युवक दुकान मे आया और भीडभाड देख कैस काउण्टर से पैतालिस हजार रूपये निकाल लिया। इस बीच सीसी कैमरे मे आरोपी युवक की हरकत वहां मौजूद कुछ लोगों ने देख लिया। वहां मौजूद लोगों ने युवक को कर्रा किया और पूछताछ के बाद पैसा दुकान संचालक को वापस करा दिया। हालांकि लोगों के हस्तक्षेप से मामले मे दोनों पक्षो की सुलह भी हो गयी। इस बाबत लीलापुर प्रभारी निरीक्षक सुभाष यादव का कहना है कि पुलिस को इस प्रकार की घटना की जानकारी नही है। यदि तहरीर मिली तो जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इधर सरेबाजार कैस काउण्टर से कैश निकालने वाले युवक की गतिविधि की चर्चा को लेकर बाजार में सनसनी का भी माहौल बना दिखा।

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन का पीएम मोदी को पत्र, कहा– बिना शर्त सिसोदिया की रिहाई हो

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। उन्होंने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की बिना शर्त रिहाई का निर्देश देने की मांग की। उन्होंने इसके लिए सभी कदम उठाने की अपील की। स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल के कार्यालय सहित जांच एजेंसियों, संवैधानिक कार्यालयों का दुरुपयोग भारत में जीवंत लोकतंत्र को कभी भी मजबूत नहीं कर सकता।

दरअसल, सिसोदिया को दिल्ली की आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता को सीबीआई कोर्ट ने सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। सिसोदिया को फिलहाल तिहाड़ जेल में रखा गया है। इस बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को जेल के अंदर उनसे पूछताछ की।स्टालिन ने प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि विभिन्न विचारधाराएं और कई राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र की धड़कन हैं। इसी तरह कानून का शासन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता हमारी न्याय प्रणाली की आधारशिला हैं। मुझे यह जानकर दुख और निराशा हुई है कि मनीष सिसोदिया को झूठे आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें व्यक्तिगत स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी से वंचित करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पत्र में आरोप लगाया कि आपराधिक न्याय प्रणाली के सभी सिद्धांतों को हवा में उड़ा दिया गया है। केंद्र में सत्ताधारी पार्टी व्यक्तिगत संतुष्टि के लिए कानून की उचित प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रही है। पिछले नौ सालों में केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी ने जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया है। एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी दलों के राजनीतिक नेताओं को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। इससे पहले दिल्ली के पूर्व उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का भी साथ मिला था। विजयन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर सिसोदिया के मामले में अपना विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में आरोप लगाया है कि राजनीतिक साजिश के तहत सिसोदिया और विपक्ष के नेताओं को फंसाया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के साथ IND-AUS के बीच टेस्ट मैच देखने पहुंचे पीएम मोदी,

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच आज से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्टेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज के साथ टेस्ट मैच देखने पहुंचे हैं. पीएम मोदी ने एक खास रथ से स्टेडियम का जायजा भी लिया.

चार टेस्ट मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में भारत 2–1 से आगे है. आखिरी मैच आज से खेला जा रहा है. मैच से पहले पीएम मोदी और एंथनी अल्बनीज ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों से मुलाकात की. पीएम मोदी और एंथनी अल्बनीज एक खास रथ में सवार होकर स्टेडियम का जायजा लिया.

पीएम मोदी के साथ गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी भी मैच देखने पहुंचे. इस दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और बीसीसीआई सचिव जय शाह ने उनका स्वागत किया. प्रधानमंत्री मोदी स्टेडियम से राजभवन जाएंगे. यहां से वे दोपहर 2 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे.

मेट्रो की टाइमिंग में किया गया बदलाव

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले टेस्ट मैच को लेकर मेट्रो की टाइमिंग और फ्रीक्वेंसी दोनों में बदलाव किया गया. मेट्रो की टाइमिंग में 9 से 13 मार्च के बीच बदलाव किया गया है. आज ये रहेगी मेट्रो की फ्रीक्वेंसी मेट्रो आज सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक चलेगी. साथ ही 12 मिनट की फ्रीक्वेंसी सेट की गई है. यानी हर 12 मिनट में आपको मेट्रो मिल सकती है. इसके अलावा 10 से 13 मार्च के दौरान मेट्रो की टाइमिंग सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक रखी गई है. इस दौरान भी फ्रीक्वेंसी बढ़ाकर 12 मिनट कर दी गई है.

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने साबरमती आश्रम का किया दौरा

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीज ने बुधवार को साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत की अपनी पहली यात्रा के पहले दिन राजभवन में होली खेली. वह शाम को शहर के सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे पर पहुंचे और सीधे महात्मा गांधी के पूर्व घर आश्रम गए.

एंथनी अल्बनीस जो भारत की चार दिवसीय यात्रा पर हैं, राजभवन के लिए रवाना होने से पहले किताब में ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने लिखा कि महात्मा गांधी के आश्रम का दौरा करना, उन्हें श्रद्धांजलि देना एक बड़ा सम्मान है, जिनके दर्शन और जीवन मूल्य आज भी दुनिया को प्रेरित करते हैं. हमें उनके उदाहरण से बहुत कुछ सीखना है. देर शाम अल्बनीज ने राज्य की राजधानी गांधीनगर स्थित राजभवन में होली खेली. राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री पटेल ने राजभवन में होली समारोह के दौरान उन्हें रंग लगाया.

शांतिपूर्वक पर्व संपन्न कराने के लिए पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

मिथिलेश जायसवाल ब्यूरो चीफ दि ग्राम टुडे बहराइच। होलिका दहन तथा शबे बारात पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क है । पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के निर्देशन में कोतवाली मुर्तिहा पुलिस ने फ्लैग मार्च कर लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाया। वहीं कोतवाल शशि कुमार राणा ने बताया कि पर्व शांति पूर्वक संपन्न हो इसके लिए पुलिस लगातार मेहनत कर रही है । यदि कहीं किसी ने कोई उपद्रव करने की कोशिश की तो उपद्रवियों के ऊपर कड़ी कार्यवाही की जाएगी । पुलिस ने फ्लैग मार्च भारत नेपाल सीमा सहित आसपास क्षेत्रों में किया। इस मौके पर काफी संख्या में पुलिस के जवान उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण के निसार अहमद ने वर्षो से लटकते जानलेवा बिजली के तारों को दुरुस्त कराया

प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र का मामला। आर के पाण्डेय, दि ग्राम टुडे, प्रयागराज। राष्ट्रीय मानवाधिकार व भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो के सदस्य निसार अहमद ने प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र व अकबरपुर चौराहे पर वर्षों से लटक रहे जानलेवा बिजली के तारों को दुरुस्त कराकर स्थानीय नागरिकों के साथ आम राहगीरों की जान सुरक्षित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार निसार अहमद ने विशेष पैरवी करके लटकते तारों को व्यवस्थित कराकर बड़ी दुर्घटना को टलवाने में सहयोग किया जिसके लिए स्थानीय नागरिकों ने उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

वैद्यराज गंगाधर द्विवेदी स्मृति द्वार का लोकार्पण समारोह सम्पन्न

बृजेश पाण्डेय दि ग्राम टूडे ब्यूरो मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर) । क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार रहे स्व० गंगा धर द्विवेदी की प्रथम पुण्यतिथि पर सोमवार को उनके पैतृक गांव रामचौकी में उनके परिजनों द्वारा निर्मित कराए गए डा० गंगा धर द्विवेदी स्मृति द्वार का राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी द्वारा लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में वक्ताओं ने वैद्यराज स्व० गंगा धर द्विवेदी के जीवन वृत्तांत पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि वह अपने पूरे जीवन काल में समाज के गरीबों मजलूमों एवं असहायों की सेवा करते रहे । उन्होंने जहां अपनी पत्रकारिता से समाज को एक दिशा देने का काम किया वहीं अपनी योग्यता एवं विशेषज्ञता से लोगों के जीवन में रोशनी प्रदान करते रहे । उन्होंने इंदिरा ग्रामीण स्वयं सेवी अस्पताल ट्रस्ट की स्थापना कर समाज के गरीबों मजलूमों एवं असहायों तथा बृद्धो को ज्योति प्रदान करने में जुटे रहे । इस अवसर पर कृष्ण गोपाल जायसवाल,चक्रपाणि पाण्डेय,वैद्य अनिल मिश्रा ,देवरहवा बाबा आश्रम झूंसी प्रयागराज के महंत स्वामी रामदास जी महाराज , अधिवक्ता दुर्गेश दुबे,जयप्रकाश तिवारी कंकड़ी महाराज आदि ने वैद्यराज गंगा धर द्विवेदी के जीवन से जुड़ी स्मृतियों को व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मनोज दुबे शास्त्री , पिंटू सिंह ,आलोक गुप्ता,सुरेश चंद्र दूबे, जनार्दन प्रसाद ,श्रीकांत पाण्डेय,चंद्रबली दुबे सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन वैद्य दिवाकर द्विवेदी ने किया ।अंत में रमेश चंद्र द्विवेदी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया । उक्त जानकारी संयोजक वैद्य दिवाकर द्विवेदी ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में दी।

15 से 18 मार्च तक आयोजित होगा रजिस्ट्रेशन कैंप.. डॉ अनुपम जैन

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाई जा रही व्योश्री योजना , एडिप योजना के अंतर्गत कानपुर नगर के सांसद सत्यदेव पचौरी जी के नेतृत्व में रोटरी क्लब ऑफ कानपुर गौरव के सहयोग से कैंप का आयोजन किया जा रहा है इस कार्यक्रम का सांसद जी द्वारा डॉ अनुपम जैन को कोऑर्डिनेटर बनाया गया है बता दे कि 15 ,16,17,18 मार्च को रजिस्ट्रेशन कैंप आयोजित किए जाएंगे 15 मार्च को रामलीला मैदान कानपुर कैंट 16 मार्च कानपुर यूनियन क्लब फूलबाग 17 मार्च जैन औषधालय आनंदपुरी 18 मार्च सोसाइटी धर्मशाला पांडव नगर में आयोजित किया जाएगा इसी कार्यक्रम के अंतर्गत कल रोटरी क्लब ऑफ कानपुर गौरव द्वारा कैप्सूल रेस्टोरेंट में कानपुर के एनजीओ को आमंत्रित किया गया था मीटिंग में हम इस कैंप में ज्यादा से ज्यादा लाभार्थियों को किस तरह से ला सकते हैं इस विषय पर चर्चा हुई मीटिंग में रोटरी क्लब के अध्यक्ष, परवेज अख्तर जी सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे मंच संचालन नित्या चावला जी द्वारा किया गयाकार्यक्रम समन्वयक भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड दिव्यांग प्रकोष्ठ की सह संयोजक डा अनुपम जैन रही।

देश को एकता, सद्भाव और समरसता की जरुरत -शंकराचार्य

– वृंदावन में दावानल कुंड स्थित उड़िया बाबा आश्रम पर चार दिन के प्रवास पर आए ज्योतिषपीठाधीष्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज पत्रकारों से भी रूबरू हुए।सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा श्रीरामचरितमानस का अपमान किए जाने के प्रश्न पर शंकराचार्य ने कहा कि उन्हें रामचरित मानस की एक चौपाई से ऐतराज है तो पूरी पुस्तक जलाने का अधिकार उन्हें किसने दिया। देश को एकता, सद्भाव और समरसता की जरुरत है। राजनैतिक लोग रामचरितमानस जैसे पवित्र सद्ग्रन्थ का अपमान कर देश और समाज को बांटने का कार्य कर रहे हैं। चुनाव आयोग को इनके जनप्रतिनिधित्व पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। हिंदू राष्ट्र बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जब गंगा नदी राष्ट्रीय नदी बनने के बाद भी स्वच्छ नहीं हो सकी तो हिंदू राष्ट्र को लेकर राजनैतिक जुमलेबाजी का कोई मतलब नहीं। वास्तव में लोगों को इसके बनने के बाद होने वाले परिवर्तनों से अवगत कराया जाना चाहिए। आज देश में गौमांस का निर्यात बढ़ा है, इसपर किसी का ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि हम हिंदू राष्ट्र नहीं बल्कि राम राज की कामना करते हैं। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा कि गाय को हम माता मानकर पूजते हैं तो फिर उसे पशु क्यों घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्र माता घोषित किया जाए। काशी और मथुरा पर चल रहे विवाद के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यह हिंदुओं की भूमि है। राम, कृष्ण और शिव हमारे आराध्य हैं। किन्हीं कारणोंवश वहां राजनैतिक परिस्थितियों में परिवर्तन हो गया। अब इस भूल का सुधार किया जाना चाहिए। वैसे भी कब्जाए गए दूसरे धर्म के स्थान अथवा मंदिर पर इबादत करना इस्लाम की मान्यताओं के विरुद्ध है।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के होली मिलन समारोह में जमकर उड़ा गुलाल

उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन (आईजेयू) मथुरा इकाई द्वारा होली मिलन समारोह का एक भव्य आयोजन स्थानीय होटल में किया गया जिसमें जनपद भर से सैकड़ों की संख्या में पत्रकारों ने भाग जमकर रंग संग गुलाल खेलकर भरपूर लुत्फ उठाया। समारोह में मथुरा के दिग्गज वरिष्ठ पत्रकारों की सहभागिता ने पत्रकार एकता का एक नया संदेश देते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। समारोह में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष नरेन्द्र भारद्वाज ने पत्रकार एकता पर जोर देते हुए पत्रकारों के उत्पीड़न के खिलाफ संगठित होकर आवाज बुलंद करने की बात करते हुए जनपद में प्रेस क्लब के गठन हेतु शासन से मांग की वहीं उपजा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ कमलकांत उपमन्यु ने पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग करते हुए पत्रकारों के उत्पीड़न पर रोष जताया। वरिष्ठ पत्रकार किशन चतुर्वेदी ने पत्रकारों के हितार्थ गोष्ठी व सम्मेलन कराने पर जोर देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से पत्रकार एकता को बल मिलता है।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

क्षेत्र मे जगह–जगह हुए आयोजन ठंडई–भांग ने लोगो को खूब झुमाया

नारीबारी(प्रयागराज)। सीमांचल क्षेत्र नारीबारी व झंझरा चौबे मे शुभ मूहुर्त में मंगलवार 11 बजे रात्रि के करीब होलिका दहन हुआ। होलिका दहन भारतीय सनातन पद्धती और हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को होलिका का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का ये पर्व मनाया जाता है। झंझरा चौबे गांव मे प्राचीन परंपरा के निर्वाहन मे एक ही जगह समस्त ग्रामिणो द्वारा होलिका दहन किया गया।

होलिका दहन स्थल से फगुआ होली गीत अबीर–गुलाल रंग का उत्सव झंझरा चौबे मे गायक धीरेन्द्र मिश्र,ग्राम प्रधान सतपुरा प्रदीप कुमार मिश्र,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, राजाराम चतुर्वेदी, सुभाष चन्द्र चतुर्वेदी, प्रकाश चन्द्र, कपूर चन्द्र चतुर्वेदी, गिरीश कुमार चतुर्वेदी, दिव्यांशु चतुर्वेदी, संदीप,नीरज–धीरज,दीपक,सुमित शुक्ला,सुनीता देवी,दिव्या,साक्षी आदि के द्वारा फगुआ गीत गाकर दिव्यांश चतुर्वेदी–दीक्षा चतुर्वेदी का जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। नारीबारी के बाबा बैजनाथ मंदिर में सायं सुन्दर कांड का पाठ पं.विधा शंकर मिश्र आदि के टीम द्वारा गाया गया। होली मिलन समारोह का आयोजन प्रदीप कुमार केसरवानी पिंटू आदि के द्वारा किया गया। वही ग्राम प्रधान मवैया संतोष सिंह, धर्मराज पाल, सुभाष सिंह, सुधाकर सिंह,रत्नाकर सिंह, अशोक सिंह आदि ने क्षेत्रीय लोगों से मिलते हुए एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने भी अपने भाभियो संग अबीर–गुलाल लगाकर होली खेली।

एसडीआरएफ ढूढ़ने मे रही विफल,विजय शंकर बैरिहा,विजय कुमार जरखोरी व संजय दारागंज ने दूसरे दिन शव को ढूढ निकाला

नारीबारी(प्रयागराज)। बारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रूम गांव में दिलीप बिल्डकॉन द्वारा खनन की गई खदान के लगभग १०० फिट गहरे पानी में बुधवार को डूब कर मरने वाले युवक को राज्य आपदा मोचन बल(क्स्थ) के विफलता के बाद गुरुवार को क्षेत्र के मछुआरों ने देसी जुगाड़ से मृतक के शव को ढूंढ निकाला।

प्रत्यक्षदर्शी रामबहोर के मुताबिक श्याम बाबू कोल उर्फ जंगाली पुत्र स्व. छेदीलाल निवासी ग्राम रूम ३२ वर्ष बुधवार को ११ बजे के लगभग दिलीप बिल्डकॉन के द्वारा खोदे गए मानक के विपरीत खदान के गहरे पानी में स्नान करते वक्त डूबते लगा तो वहां मौजूद रामबहोर व उसके एक साथी ने डूबते व्यक्ति को बचाने हेतू खदान मे कूदा लेकिन तब तक श्याम बाबू पानी के अन्दर समा गया। प्रत्यक्षदर्शी रामबहोर ने अपने दूसरे साथी को गांव भेज सूचना दिलवाई उसके बाद ग्रामीण व मौके बारा थाना व नारीबारी शंकरगढ़ की पुलिस फोर्स के साथ एसीपी बारा संतलाल सरोज सहित मौके पर पहुंचे गहरा पानी होने के कारण पुलिस ने राज्य आपदा मोचन बल (क्स्थ) को बुलाई लेकिन संसाधन के अभाव में मृतक के शव को बुधवार को नही ढूंढा जा सका। जिसके बाद गुरुवार को नारीबारी चौकी प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने विजय शंकर बैरिहा,विजय कुमार जरखोरी,व रिश्तेदारी मे आए संजय दारागंज के मदद से काटा डालकर काफी मशक्कत के बाद मृतक के शव को ढूंढ निकाला।मृतक की पत्नी कलावती, पुत्र शनि १५ वर्ष एवं सुदामा १० वर्ष, पुत्री,शालिनी १२ वर्ष का रो–रो कर बुरा हाल रहा। मृतक के पिता स्व. छेदीलाल उर्फ नाथू राजगीर का काम करते थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। मौकेे पर भारी संख्या में क्षेत्रीय लोगों का जमावड़ा रहा। लोगों ने मृतक का शव निकालने वाले मछुआरों की प्रशंसा की।

थाना दारागंज द्वारा अन्तर्गत धारा 151 107 116 Cr-P-C में 07 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना दारागंज पुलिस द्वारा 07 अभियुक्तगणों 1–हरीशचन्द्र भारतीय पुत्र स्व0 नन्हे राम निवासी 259। पंजाबी कालोनी थाना दारागंज जनपद प्रयागराज 2–सचिन पासी पुत्र छोटे लाल निवासी 259। पंजाबी कालोनी थाना दारागंज जनपद प्रयागराज 3– अजीत उर्फ कल्लू शर्मा पुत्र आनन्दी शर्मा निवासी पंजाबी कालोनी थाना दारागंज प्रयागराज 4– अजय भारतीया पुत्र स्व0 नब्बे भारतीया निवासी 76ध्58 मटियारा अलोपी बाग थाना दारागंज प्रयागराज 5–विजय भारतीया पुत्र स्व0 नब्बे भारतीया निवासी 76ध्58 मटियारा अलोपी बाग थाना दारागंज प्रयागराज 6– अजय हेला पुत्र मुन्ना लाल हेला निवासी त्रिवेणी बांध संगम थाना दारागंज जनपद प्रयागराज 7–सुन्दरम उर्फ अभिषेक वाल्मिकी पुत्र पुल्लू वाल्मिकी निवासी त्रिवेणी बांध संगम थाना दारागंज जनपद प्रयागराज को शान्ति भंग करने की सम्भावना पर अन्तर्गत धारा 151 दं0प्र0सं0 में गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्तगण–

1. हरीशचन्द्र भारतीय पुत्र स्व0 नन्हे राम निवासी 259। पंजाबी कालोनी थाना दारागंज जनपद प्रयागराज उम्र 25 वर्ष
2. सचिन पासी पुत्र छोटे लाल निवासी 259। पंजाबी कालोनी थाना दारागंज जनपद प्रयागराज उम्र 21 वर्ष ।
3. अजीत उर्फ कल्लू शर्मा पुत्र आनन्दी शर्मा निवासी पंजाबी कालोनी थाना दारागंज प्रयागराज उम्र 25 वर्ष ।
4. अजय भारतीया पुत्र स्व0 नब्बे भारतीया निवासी 76ध्58 मटियारा अलोपी बाग थाना दारागंज प्रयागराज उम्र 24 वर्ष।
5. विजय भारतीया पुत्र स्व0 नब्बे भारतीया निवासी 76ध्58 मटियारा अलोपी बाग थाना दारागंज प्रयागराज उम्र 21 वर्ष ।
6. अजय हेला पुत्र मुन्ना लाल हेला निवासी त्रिवेणी बांध संगम थाना दारागंज जनपद प्रयागराज उम्र 23 वर्ष ।7. सुन्दरम उर्फ अभिषेक वाल्मिकी पुत्र पुल्लू वाल्मिकी निवासी त्रिवेणी बांध संगम थाना दारागंज जनपद प्रयागराज । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–

1. उ0नि0 अरविन्द कुमार यादव थाना दारागंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2. उ0नि0 बृजेश चौरसिया थाना दारागंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
3. हे0का0 गुलाब चन्द्र थाना दारागंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
4. हे0का0 निहालुउद्दीन थाना दारागंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
5. कां0 आशीष पाल थाना दारागंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
6. कां सुनील वर्मा थाना दारागंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस द्वारा 03 अभियुक्त अन्तर्गत धारा- 151 107 116 सीआरपीसी में गिरफ्तार

थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था के दृष्टिगत 1. राजेश कुमार यादव पुत्र स्व. श्री राम मूरत निवासी खडैता ग्राम मुंगारी थाना औ.क्षेत्र प्रयागराज 2. ऋषभ पाण्डेय पुत्र रामाशंकर पाण्डेय निवासी रामपुर चौराहा ग्राम रामपुर थाना औ.क्षेत्र प्रयागराज 3. वीरेन्द्र कुमार यादव पुत्र बबोल सिंह यादव निवासी चिरई का पुरा ग्राम मुंगारी थाना औ.क्षेत्र प्रयागराज को अन्तर्गत धारा 151ध्107ध्116 सीआरपीसी गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्तगणः–

1. राजेश कुमार यादव पुत्र स्व. श्री राम मूरत निवासी खडैता ग्राम मुंगारी थाना औ.क्षेत्र प्रया0 उम्र करीब 37 वर्ष
2. ऋषभ पाण्डेय पुत्र रामाशंकर पाण्डेय निवासी रामपुर चौराहा ग्राम रामपुर थाना औ.क्षेत्र प्रयागराज उम्र करीब 28 वर्ष
3. वीरेन्द्र कुमार यादव पुत्र बबोल सिंह यादव निवासी चिरई का पुरा ग्राम मुंगारी थाना औ. क्षेत्र प्रयागराज उम्र करीब 42 वर्ष

पुलिस टीम का विवरणः–

1. उ0नि0 राहुल कुमार सिंह थाना औद्योगिक क्षेत्र
2. का0 नन्द किशोर थाना औद्योगिक क्षेत्र
3. का0 अंशुमान मिश्रा औद्योगिक क्षेत्र

थाना शंकरगढ़ पुलिस द्वारा शांति भंग की संभावना पर 04 व्यक्तियों को किया गया गिरफ्तार

शंकरगढ़ ।प्रयागराज। पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा के निर्देशन में अपराध व अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त यमुनानगर संतोष कुमार मीणा व एसीपी बारा सन्तलाल सरोज के निर्देश के क्रम में थानाध्यक्ष शंकरगढ़ मनोज कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में गठीत पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 09.03.2023 को 04 व्यक्तियों 1. प्रमोद सिंह पुत्र संतोष सिंह निवासी कल्यानपुर थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज, 2.धीरज कनौजिया पुत्र रमेश कनौजिया निवासी मोटियान टोला कस्बा व थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज, 3.जितेन्द्र जायसवाल पुत्र रामलखन जायसवाल निवासी वार्ड नं0 7 मोदीनगर कस्बा व थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज व 4. धर्मेन्द्र जायसवाल पुत्र रामलखन जायसवाल निवासी वार्ड नं0 07 मोदीनगर कस्बा व थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज को शांतिध्कानून व्यवस्था भंग की संभावना पर गिरफ्तार कर अन्तर्गत धारा 151ध्107ध्116 दं0प्र0सं0 में चालान किया गया । नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम व पता–

1. प्रमोद सिंह पुत्र संतोष सिंह निवासी कल्यानपुर थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज
2.धीरज कनौजिया पुत्र रमेश कनौजिया निवासी मोटियान टोला कस्बा व थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज
3.जितेन्द्र जायसवाल पुत्र रामलखन जायसवाल निवासी वार्ड नं0 7 मोदीनगर कस्बा व थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज
4. धर्मेन्द्र जायसवाल पुत्र रामलखन जायसवाल निवासी वार्ड नं0 07 मोदीनगर कस्बा व थाना शंकरगढ जनपद प्रयागराज

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः–

1. उ0नि0 ऋतुराज सिंह थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज
2. कां0 सुखवीर सिंह , का0 प्रदीप कुमार का0 अनीष कुमार ,थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज।अरुण मित्र समाचार पत्र व दैनिक आशा प्रहरी से उमेश चन्द्र द्विवेदी व सूर्यकान्त शुक्ला।

संत महापुरुष को दी गई श्रद्धांजलि

नैनी प्रयागराज विहिप केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के सदस्य,सच्चा बाबा आध्यात्मिक आश्रम के महंत पूज्य संत श्रद्धेय स्वामी गोपाल जी महाराज का आकस्मिक निधन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए सच्चा बाबा आश्रम में एकत्रित होकर के उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चढ़ाकर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया गया सभी ने ईश्वर से प्रार्थना कि संत पुरुष को अपने चरणों में स्थान एवं अनगिनत भक्तों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें!इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष भाजपा गणेश केसरवानी,काशी क्षेत्र अल्पसंख्यक मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह,कार्यालय मंत्री राजन शुक्ला,महानगर उपाध्यक्ष किसान मोर्चा संजय श्रीवास्तव, महेश वर्मा,ध्रुव तिवारी, डॉ सुभाष कुशवाहा,दामोदर तिवारी,पहलाद तिवारी,धीरज यादव,राम जी श्रीवास्तव, दीपक पांडे,राम लखन विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे

सूचना मिलते ही घटना स्थल पर मौके में पहुंची टीम के साथ कई थानो की पुलिस और थानाध्यछ, चौकी प्रभारी रहें मौजूद

नैनी थानाअंतर्गत छ ५ हैबये गंगोत्री नगर पुल के ऊपर एग्रीकल्चर चौकी के करीब महेवा में हुआ भीषण ऐक्सीडेंट। 2 बाईक और ब्लूरो गाड़ी से हुआ है ऐक्सीडेंट जिसमे रामराज भारतिया और एक पंडित जी थे जिनका नाम राजेश तिवारी था और एक होमगार्ड समय लाल जी कोंधियारा के रहें जो मौजूद रहें।

सूचना मिलते ही घटना स्थल पर मौके में पहुंची टीम के साथ कई थानो की पुलिस और थानाध्यछ, चौकी प्रभारी रहें मौजूद।

पुलिस ने सिनाख्त करते हुये पंचनामा लगाकर घायलों को भेजा मेडिकल।

वहीं समय लाल होमगार्ड की जगह पर मृत्यु हो गयी है और दो को हॉस्पिटल भेज दिया गया है मरीज गंभीर अवस्था में है ट्रीटमेंट डाक्टरों द्वारा किया जा रहा है।

वहीं ।ब्ब अजीत सिंह चौहान जी ने मीडिया के सामने घटना को करवाया रूबरू और साथ ही नैनी थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार जी और मो, अली इंस्पेक्टर, गंगोत्री नगर चौकी प्रभारी उपेंद्र सिंह, चौकी प्रभारी विपिन पाल जी अपने पुलिस बल के साथ रहें मौजूद।

वहीं मौके में यमुनापार के मीडिया साथी मौके पर रहें मौजूद।

कैबिनेट मंत्री की मां व सच्चा आश्रम के महंत के निधन पर भाजपाइयों ने शोक व्यक्त किया

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती ने प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री व भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के माता के निधन व सच्चा बाबा आश्रम के महंत गोपाल जी महराज के निधन पर दुःख जताते हुए शोक संवेदना व्यक्त किया। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने भी शोक व्यक्त करते हुए बताया कि यमुनापार के समस्त जिला पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने भी दुःख व्यक्त करते हुए श्रध्दांजलि दी है।

संत तुकाराम जयंती आज

तुकाराम जयंती महाराष्ट्र के प्रसिद्ध हिंदू संत, संत तुकाराम के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। संत तुकाराम एक महान संत होने के साथ–साथ एक ध र्मसुधारक और समाजसुधार भी थे। संत तुकाराम का जन्म 1608 में महाराष्ट्र के पुणे के देहू गांव में हुआ था। उनके पिता छोटे कारोबारी थे। उन्होंने महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन की नींव रखी थी। संत तुकाराम जी की गहरी अनुभव दृष्टि बेहद गहरी व ईशपरक रही, जिसके चलते उन्हें कहने में संकोच न था कि उनकी वाणी स्वयंभू, ईश्वर की वाणी है। उनका कहना था कि दुनिया में कोई भी दिखावटी चीज नहीं टिकती। झूठ को लंबे समय तक संभाला नहीं जा सकता। झूठ से सख्त परहेज रखने वाले तुकाराम को संत नामदेव का रूप माना गया है। इनका समय सत्रहवीं सदी के पूर्वार्द्ध का रहा है। संत तुकाराम ने बहुत कम उम्र में पूजा–पाठ करना शुरू कर दिया था। उन्होंने अपने जीवन में बड़े दुखों का सामना किया था। जिससे तुकाराम सांसारिक सुखों से विरक्त होते जा रहे थे। इनकी दूसरी पत्नी श्जीजाबाईश धनी परिवार की पुत्री और बड़ी ही कर्कशा स्वभाव की थी। अपनी पहली पत्नी और पुत्र की मृत्यु के बाद तुकाराम काफी दुरूखी थे। तुकाराम का मन विट्ठल के भजन गाने में लगता, जिस कारण उनकी दूसरी पत्नी दिन–रात ताने देती थी। तुका राम क्षत्रिय परिवार से संबंधि त थे। वह एक व्यापारी थे लेकिन दुख और लगातार नुकसान के कारण वे सफल नहीं हो सके। भगवान विट्ठल ने उन्हें सपने में आकर मोक्ष का मार्ग दिखाया। जिसके बाद उन्होंने सासांरिक जीवन से अपना मुख मोड़ लिया। इस वर्ष संत तुकाराम जयंती 09 मार्च,2023 (गुरुवार) को मनाई जाएगी।

संत तुकाराम की शिक्षाएं

संत तुकाराम आज से करीबन 500 साल पहले इस भूमी पर आए थे। उनके द्वारा किया गया महान कार्य उस युग में शुरु हुआ, उन्होंने समाज को ज्ञान का पाठ पढ़ाया। जिस वजह से मराठी संतों की माला में 'ज्ञानदेवे रचिला पाया, तुका झालासे कळस' कहकर, उनका गौरव किया जाता है। अर्थात महाराष्ट्र की भूमि पर यदि विट्ठल भक्ति और अध्यात्म की शुरुआत संत ज्ञानेश्वर द्वारा हुई तो इसे आगे बढ़ाकर उच्चतम अवस्था तक ले जाने का कार्य संत तुकाराम द्वारा संपन्न हुआ। तुकाराम महाराज का जीवन दया और क्षमा का सागर है। उन्होंने अपने अनुभव इतनी सहजता से और कपटमुक्त होकर बताए हैं, जिसे लोग आज अभंग के रूप में गाते हैं। तुकाराम महाराज ने उस वक्त के लोगों को वह ज्ञान दिया, जिसका अनुभव उन्होंने स्वयं किया था। सहज, सुंदर लोकभाषा और भक्ति के माध्यम से उन्होंने अपनी सिखावनियाँ उनकी गाथा में लिखी हैं। तुकाराम महाराज एक सामान्य पुरुष थे पर अपनी हरि भक्ति और निःस्वार्थ भाव से वे असामान्य संत बने। संसार का हर इंसान एक अच्छा इंसान बने, जिससे एक आदर्श समाज निर्माण हो, ऐसे विचार संत तुकाराम के मन में, जब वे साधक अवस्था में थे तब से आते थे। समाज में कैसे वर्ण, जाति, संपत्ति की वजह से अहंकार बढ़ता है और कैसे इस पाखण्ड को नष्ट करना है, इसका वर्णन उन्होंने अपने अभंगों द्वारा किया है। गुरु कृपा से उन्हें ईश्वर दर्शन हुआ और उन्होंने अपना जीवन विश्व कल्याण के लिए समर्पित किया। संत तुकाराम, ईश्वर को अपने अभंग में कहते हैं कि 'तुम बिना भक्त के अधूरे हो क्योंकि तुम अपनी सराहना नहीं कर सकते।' गाय खुद घास ही खा सकती है, दूध तो उसका बछड़ा ही पी सकता है यानी हर एक के अंदर जो चौतन्य–अनुभव है, उसकी सराहना की जा रही है। शरीर जब निमित्त बनता है तब वह सराहना करता है, आश्चर्य करता है और ईश्वर यह चाहता है। संत तुकाराम का जीवन वैराग्य और भक्ति का एक सुंदर संगम था, है, और रहेगा। निःस्वार्थ और परोपकारी जीवन का सागर था, है और रहेगा। वे सिर्फ वही ज्ञान देते, जो उन्होंने स्वयं आचरण में लाया था। उनके शब्दों, अभंगों और कीर्तनों में दृढ़ता थी। इसी कारण बहिणाबाई सेऊरकर और निळोबा पिंपलनेरकर जैसे शिष्य उनसे प्रभावित हुए थे।

संत तुकाराम की रचना

मराठी भाषा और कविता को संत तुकाराम का अधिक प्रभाव पड़ा है क्योंकि उन्होंने कई भजनों को लिखा और पढ़ा था। ये भजन व्यक्तित्व के समान ही प्रतिष्ठित हो गए। जिस तरह से विलियम शेक्सपियर अंग्रेजी भाषा से जुड़ा हुआ है, उसी तरह संत तुका राम मराठी भाषा से जुड़े हुए थे। संत तुका राम को मराठी साहित्य के साथ समरूप रूप से पहचाना जाता है क्योंकि उन्होंने मराठी के कई काव्यों की रचना की। उनकी मराठी पर जबरदस्त पकड़ थी। वो भगवान विट्ठल को अपनी सभी कविताओं और भजनों को समर्पित करते थे। वे भगवान के प्रति अपार प्यार और सम्मान से भरे हुए थे। महाराष्ट्र के साथ–साथ उनका प्रभाव इतना था कि उनकी कुछ कविताएं गुरु ग्रंथ साहिब में भी शामिल थीं। जीवन में असाधारण सफलता प्राप्त करने के बाद भी, उन्होंने महंगे कपड़े और गहने पहनने से इनकार कर दिया। वह सादगी में विश्वास करते थे और उन्होंने इसी का पालन किया। तुकाराम की अधिकांश काव्य रचना केवल अभंग छंद में ही है, तथापि उन्होंने रूपकात्मक रचनाएँ भी की हैं। सभी रूपक काव्य की दृष्टि से उत्कृष्ट हैं। इनकी वाणी श्रोताओं के कान पर पड़ते ही उनके हृदय को पकड़ लेने का अद्भुत सामर्थ्य रखती है। इनके अभंग सूत्रबद्ध होते हैं। थोड़े शब्दों में महान् अर्थों को व्यक्त करने का इनका कौशल मराठी साहित्य में अद्वितीय है। तुकाराम की आत्मनिष्ठ अभंगवाणी जनसाधारण को भी परम प्रिय लगती है। इसका प्रमुख कारण है कि सामान्य मानव के हृदय में उद्भूत होने वाले सुख, दुरूख, आशा, निराशा, राग, लोभ आदि का प्रकटीकरण इसमें दिखलाई पड़ता है। ज्ञानेश्वर, नामदेव आदि संतों ने भागवत धर्म की पताका को अपने कंधों पर ही लिया था किंतु तुकाराम ने उसे अपने जीवनकाल ही में अधिक ऊँचे स्थान पर फहरा दिया। उन्होंने अध्यात्मज्ञान को सुलभ बनाया तथा भक्ति का डंका बजाते हुए आबाल वृद्धों के लिये सहज सुलभ साध्य ऐसे भक्ति मार्ग को अधिक उज्ज्वल कर दिया। संत ज्ञानेश्वर द्वारा लिखी गई श्ज्ञानेश्वरीश तथा एकनाथ द्वारा लिखित श्एकनाथी भागवतश के बारकरी संप्रदायवालों के प्रमुख ध र्म ग्रंथ हैं। इस वांड्मय की छाप तुकाराम के अंभंगों पर दिखलाई पड़ती हैं। तुकाराम ने अपनी साधक अवस्था में इन पूर्वकालीन संतों के ग्रंथों का गहराई तथा श्रद्धा से अध्ययन किया। इन तीनों संत कवियों के साहित्य में एक ही आध्यात्म सूत्र पिरोया हुआ है तथा तीनों के पारमार्थिक विचारों का अंतरंग भी एकरूप है। ज्ञानदेव की सुमधुर वाणी काव्यालंकार से मंडित है, एकनाथ की भाषा विस्तृत है, पर तुकाराम की वाणी सूत्रबद्ध, अल्पाक्षर, रमणीय तथा मर्मभेदक हैं।

संत तुकाराम जयंती उत्सव

संत तुका राम जयंती न केवल महाराष्ट्र में बल्कि पूरे भारत में साहित्य के प्रसिद्ध व्यक्तित्व के सम्मान के साथ मनाई जाती है। भगवान विट्ठल के भक्त के सम्मान के रूप में तुका राम के जीवन पर विशेष रूप से कई फिल्में और कहानियां बनाई गई हैं। तुकाराम के संत जीवन पर आधारित पहली फिल्म विष्णुपंत पागनीस ने 1940 के दशक में बनायी थी। फिल्म का नाम था– ष्संत तुकारामष्। यह फिल्म मराठी ही नहीं बल्कि भारतीय फिल्म जगत् में मील का पत्थर साबित हुई थी। महाराष्ट्र में इस फिल्म ने सुवर्ण महोत्सव पूरा किया था। इस फिल्म का प्रभाव इतना अधिक था की जब लोग फिल्म देखने थियेटर में जाते तो अपने जूते बाहर उतारकर जाते थे। फिल्म का निर्माण करने वाले विष्णुपंत को ही संत तुकाराम मानकर लोग उनकी पूजा करते थे। जब उन्होंने अपनी आखिरी साँस ली, तब तक अतीत और वर्तमान में अपने पूरे जीवन में, तुका राम ने पूरी तरह से सांसारिक विलासिता को त्यागकर एक साधारण जीवन जिया। संत तुकाराम को आधुनिक मराठी साहित्य में एक किंवदंती माना जाता है। संत तुकाराम पंढरपुर के महान प्रशंसक थे। संत तुकाराम की जयंती पर महाराष्ट्र के साथ–साथ पूरे भारत में उनके सम्मान के लिए कई काव्यगोष्ठियां, सभाए एवं सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। संत तुकाराम की शिक्षाओं का वर्णन किया जाता है। लोगों में उनके संदेशों का प्रवाह किया जाता है।

पारंपरिक फाग गीतों का आयोजन

ग्राम सभा गंधियांव में ग्रामीण फागोउत्सव 2023 कार्यक्रम का आयोजन सांवरिया लोक सांस्कृतिक सामाजिक संस्थानसे जुड़े लोक कलाकारों द्वारा किया गया जहां पर फगुवा गीत बेलवरिया, चौताल, डेढ ताल, ढाई ताल, होरी, धमार ,कबीर आदि होली गीतों का आनन्द ग्रामीण देर रात तक लेते रहें कार्यक्रम मेंउपस्थित लोक विद्श्री रामलोचन सांवरिया जी की अध्यक्षता व उन्हें अपने बीच पाकर लोक कलाकारो ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी और आशिर्वाद लियासांवरिया जी ने पइया परउ कर जोरी देवर मोसो खेलो न होलीप्रस्तुति देते हुए ग्राम्य होली गीतोकी धुनों की जानकारी दी

प्रमुख लोककलाकारो में

त्रिभूवन यादव, ज्ञानचन्द्र, विश्वरूप विश्वकर्मा, जगदीशयादव (जग्गा), झल्लर रमापति यादव (काका) आयुष हिमांशुसत्यानंद, सुभाष विश्वकर्मा, विजय बऊ वेदानन्द वेद, श्यामाचरण यादव, अरूण यादव , सूर्य प्रताप तिवारी, नागेश श्रीनाथविश्वकर्मा, अंगिरा, प्रभात आदि

होली मिलन एवं मीडिया गौरव सम्मान समारोह में बोले राष्ट्रीय अध्यक्ष कुल भूषण शुक्ल

प्रतापगढ़। मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) भारत देश भर के मान्य संपादकों, ब्यूरो प्रमुखों,पत्रकारों, छायाकारों, संवाददाताओं ,संवादसूत्रों एवं समस्त मीडियाकर्मियों व पत्रकार संगठनों समेत समाज के प्रत्येक वर्गों के हितों की रक्षा के लिए कृत संकल्पित देश का अग्रणी संगठन है। उक्त बातें जिला पंचायत सभागार प्रतापगढ़ में आयोजित होली मिलन एवं ष्मीडिया गौरव सम्मानष् समारोह की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार कुल भूषण शुक्ल एडवोकेट हाईकोर्ट ने कहीं। उन्होंने कहा कि बीते 10 मई 2022 से आगामी 10 अप्रैल 2023 के मध्य संगठन द्वारा की गई समस्त गतिविधियों–क्रिया–कलापों,मीटिंग –बैठकों , संगठन के पदाधिकारियों हेतु किए गए पत्राचार, अधिकारियों व सरकार के मंत्रियों, सांसदों –बिधायकों आदि से भेंट –मुलाकात के साथ ही संगठन की सभी इकाइयों के पदाधिकारियों का संपूर्ण विवरण दूरभाष संख्या सहित प्रकाशित किया जाएगा। डायरेक्टरीध्स्मारिका में संगठन के उद्देश्य, स्मृति पत्र,गठन की नियमावली,रीति–नीति,मिशन–विजन एवं स्ट्रेटजी सहित संपूर्ण जानकारी क्रमवार रहेगी साथ ही वार्षिक उपलब्धि का भी प्रकाशन होगा। डायरेक्टरी हेतु प्रत्येक पदाधिकारी से मात्र 500 रूपए की अल्प सहयोग राशि निर्धारित की गई है जो सभी पदाधिकारियों हेतु अनिवार्य है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शुक्ल ने बताया कि मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) भारत की वेवसाइट निर्माण का कार्य भी प्रारंभ हो गया है जिसके लिए डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू.मीडियावेलफेयर.ओआरजी डोमेन भी खरीदा जा चुका है। शीघ्र ही वेवसाइट डब्लपमेंट का शुरू हो जाएगा, जिसके पूरा होते ही एक क्लिक में संगठन और सभी पदाधिकारियों का संपूर्ण विवरण देखा जा सकेगा। होली मिलन एवं सम्मान समारोह में पलामू झारखंड से बतौर मुख्य अतिथि पधारे एसोसिएशन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रोफेसर एस के पाण्डेय ने संगठन–बिस्तार व मजबूती पर जोर देते हुए देश के 25 राज्यों में संगठन द्वारा प्रदेश इकाइयों की कुशल कार्यक्षमता का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर भारत में संगठन बहुत मजबूत स्थिति में है इसी तरह संपूर्ण देश में मजबूत बनाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय महामंत्री श्री पाण्डेय ने हरियाणा महिला शाखा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अर्चना कपूर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अनुमोदन पर प्रोन्नत करते हुए राष्ट्रीय महासचिव संगठन की अतिरिक्त जिम्मेदारी की बिधिवत घोषणा भी की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर –प्रदेश शीतला प्रसाद अग्रहरि श्शुजानश ने बिद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की वाणी वंदना से होली मिलन का शुभारंभ व संचालन प्रयागराज मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्र ने किया। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा एसोसिएशन के सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को ष्मीडिया गौरव सम्मानष् से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर गले मिले। समारोह के अंत में कार्यक्रम संयोजक जिलाध्यक्ष प्रेम वर्मा व सहसंयोजक जिला महामंत्री संगठन दिनेश सिंह ने सभी के प्रति संयुक्त रुप से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।इस मौके पर प्रदेश सचिव महाराष्ट्र शैलेश यादव, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश कुमार पाण्डेय, जिला महामंत्री हरिकेश चौरसिया, मंडल सहमंत्री प्रवीण मिश्रा, कुंदन पटेल, चंद्रकांत यादव एडवोकेट, राजेन्द्र बर्मा, नितिन साहू, अजय पांडेय, संजय सिंह , विनय राय, वंशराज यादव एवं निहाल अग्रहरि उपस्थित रहे।

कथा साहित्य विभूषण सम्मान 2023 की घोषणा शीघ्र

प्रयागराज उत्तर भारत की सुपरिचित साहित्यिक संस्था तारिका विचार मंच, प्रयाग द्वारा प्रदान किये जाने वाले कथा साहित्य विभूषण सम्मान 2023 की घोषणा अति शीघ्र ही की जाएगी उपरोक्त जानकारी देते हुए तारिका विचार मंच प्रयाग के संयोजक डा० भगवान प्रसाद उपाध्याय ने बताया कि इस सम्मान के लिए प्रविष्टियां सादर आमंत्रित की गईं थी जिसमें वर्ष 2018 के पश्चात प्रकाशित कहानी संग्रह की दो प्रतियों के साथ लेखक का पूर्ण परिचय विवरण, एक छायाचित्र मंगाया गया था द्य साथ साथ एक 9 ६ 11 का लिफाफा जिस पर का पूरा पता पिनकोड सहित और साथ में दस रूपये का दस डाक टिकट संलग्न करके फरवरी 2023 के अंत तक केवल पंजीकृत डाक अथवा कूरियर द्वारा मंगाया गया था निर्धारित तिथि तक प्राप्त प्रविष्टियों को निर्णायक मण्डल को सौंप दिया गया है जिसकी घोषणा शीघ्र ही की जाएगी द्य उपरोक्त सम्मान साहित्यिक पत्रिका के उपहार सहित 21 मार्च 2023 को रजिस्टर्ड पार्सल द्वारा सादर भेज दिया जाएगा।

चकनिरातुल वार्ड 53 में हर्षोल्लास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में होलिका दहन कर सभी को अबीर गुलाल लगाकर धूमधाम से होली मनाई व आपसी सौहार्द भाईचारा के साथ होली मिलन कार्यक्रम हुआ संपन्न

छत्रपति शिवाजी महाराज जन कल्याण समिति प्रयागराज के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी डी डी विश्वकर्मा स्कूल चौराहा चक निरातुल वार्ड 53 में होलिका दहन कर एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर गले मिल बधाई देते हुए ध ूमधाम से लोगों ने होली मनाई तथा आपसी सौहार्द भाई चारे के साथ सामूहिक रूप से होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें गुझिया ,पापड़ व कई पकवान खिलाकर ठंडाई शरबत से सभी का स्वागत हुआ व होली मिलन कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के संस्था के संरक्षक पूर्व सूबेदार श्यामसुंदर सिंह पटेल कारगिल युद्ध विजेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी रहे अध्यक्षता अशोक कुमार पांडे एडवोकेट व संचालन कौशलेंद्र सिंह पटेल ने किया इस अवसर पर श्यामसुंदर सिंह पटेल ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं व यह याद दिलाते हैं कि यह पर्व हमारे जीवन के साल भर किए गए अच्छे बुरे कार्यों का हिसाब कराता है हमें सभी बुराइयों को होली में जलाकर जीवन में अच्छाइयों का संचार करना है इससे यही सीख मिलती है इसलिए इस पर्व को बुराइयों पर अच्छाई की जीत कहा जाता है होली की परंपरा भक्त प्रहलाद की भगवान राम भक्ति व आसुरी प्रवृत्ति के हिरण्यकश्यप से शुरू होती है जिसमें इनकी बहन होलिका जिससे आग में ना जलने का वरदान प्राप्त था उसे भक्त प्रहलाद को अग्नि में लेकर बैठ कर जलाने को कहा गया लेकिन वह स्वयं अग्नि में जल गई प्रहलाद को आंच तक नहीं आई इससे यह स्पष्ट है कि हमेशा धर्म की विजय होती है यानी असत्य पर सत्य की ,अधर्म पर धर्म की विजय ही होली है इसलिए हम सबको सत्य के मार्ग पर चलकर धर्म का पालन करते हुए इंसानियत के भाव बनाकर आपसी सौहार्द भाईचारा से व प्रेम पूर्वक परमपिता परमेश्वर को याद कर खुशहाली का जीवन यापन करना चाहिए होली यही संदेश देती है इस अवसर पर लोगों ने सामूहिक गीत होली गीत प्रस्तुत कर नाचते गाते होली मिलन मनाया जिसमें होली आई रे आई रे ....., रंग बरसे भीगे चुनरवाली..... गीतों पर बच्चों व युवाओं ने खूब नृत्य किया वहीं वरिष्ठ जनों ने फागुनी गीत व भजनों से लोगों को मन मुग्ध किया कार्यक्रम में शामिल प्रमुख लोगों में श्याम सुंदर सिंह पटेल ,अशोक कुमार पांडे, रामधन सिंह ,कौशलेंद्र सिंह, अमरनाथ सिंह ,मान सिंह, देवनाथ शर्मा, प्रेम प्रकाश ,राम लखन, भारत सिंधी ,प्रदीप कुमार, राजाराम ,रवेंद्र सिंह,धर्मेंद्र सिंह ,रमाकांत पांडे ,सुरेंद्र कुमार भारती ,दीपक गुप्ता, सिंटू, बजरंग यादव ,कप्तान यादव ,एसपी यादव ,ब्रजेंद्र सिंह,रामराज यादव आदि सैकड़ों लोग शामिल रहे अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन श्याम सुंदर सिंह पटेल ने किया तथा भारत माता की जय, होली माता की जय ,गंगा मैया की जय ,प्रयागराज की जय, चक निरातुल वासियों की जय का नारा लगाते हुए होली मिलन संपन्न हुआ

प्रयाग होली मिलन का भव्य आयोजन धूमधाम से हुआ संपन्न

भारत विकास परिषद प्रयाग शाखा की ओर से होली के दिन आठ मार्च को सायं ज्वाला देवी इंटर कॉलेज सिविल लाइंस प्रयागराज परिसर में प्रयाग होली मिलन का भव्य आयोजन धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमे मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा के वित् नियंत्रक रविंद्र कुमार व विशिष्ट अतिथि माननीय न्यायमूर्ति राजेश कुमार ने भारत माता और विवेकानंद के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन व वन्देमातरम गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि होली आपस के सौहार्द को बढ़ाता है और होली के दिन इस तरह का भव्य और विशाल आयोजन नगर के लोगों को आपस में एक स्थान पर मिलने का अवसर प्रदान करता है ।भारत विकास परिषद के सभी सदस्य इस प्रकार के आयोजन के लिए साधुवाद के पात्र हैं । प्रयाग शाखा के अध्यक्ष आलोक साह ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया । कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर उमेश प्रताप सिंह ने किया व अतिथि परिचय और धन्यवाद ज्ञापन श्री अरुण कुमार त्रिपाठी व सचिव डॉ के के जायसवाल ने किया।इस अवसर पर गुझिया, चिप्स व ठण्डई से तथा चंदन का तिलक लगाकर सभी का स्वागत हुआ तथा उपस्थित गणमान्य लोग एक दूसरे से गले मिले और गीत संगीत का आनंद उठाया कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्राणेश देशपांडे ,बबलू व गीत संगीत पार्टी रही जिन्होंने गणेश वंदना व सुंदर भजनों की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम की शुरुआत कर होली गीतों से समां बाँधी जिससे लोग झूम उठे और आनंदित हुए गीतों में आज विरज में होरी रे रसिया....., होली खेलें रघुवीरा अवध में....., खेलें होली मसाने में....., होली खेलत नन्दलाल बिरज में.....,हरा रंग डालो श्याम गुलाबी मिलायी के...., जैसे गीतों ने पूरे माहौल को खुशनुमा व रंगीन बनाया जिससे लोग आनंद विभोर हो गए। कार्यक्रम में सामिल प्रमुख लोगों में प्रयाग प्रांत की अध्यक्ष श्रीमती निशा जायसवाल, सचिव सुनील धवन , राष्ट्रीय सदस्य अशोक कुमार जायसवाल , संरक्षक शिवनंदन गुप्ता, प्रमोद बंसल, रेलवे बोर्ड के पूर्व चेयरमैन जी के खरे, उच्च शिक्षा के पूर्व उपनिदेशक डॉक्टर जयप्रकाश सिंह , डॉक्टर नवीन चंद्र अग्रवाल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व वित् नियंत्रक डॉक्टर सुनील कांत मिश्रा , आक्टा अध्यक्ष डॉक्टर सुरेंद्र पाल सिंह, श्याम सुंदर सिंह पटेल , राजीव माहेश्वरी , डॉ अल्पना अग्रवाल, डॉक्टर राजेश कुमार गर्ग , डॉ प्रदीप कुमार सिंह, डॉक्टर संघ सेन सिंह , डॉक्टर पंकज सिंह , डॉक्टर अमित पांडे, अचिन्त्य रंजन मिश्रा , आर एस सिंह, राजीव रतन भार्गव, राधे श्याम कड़ेल, श्रीनाथ सहाय, पवन पांडेय, सुभाष चंद्र मिश्र, राकेश श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन अरुण कुमार त्रिपाठी ने किया और राष्ट्रगान भारत माता की जय के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

थाना अतरसुइया पुलिस द्वारा 01 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार कब्जे से 01 अवैध रिवाल्वर 32 बोर बरामद

दिनांक 08.03.2023 को होली पर्व मनाने के दौरान रिवाल्वर लहराने वाले वायरल वीडियो की थाना अतरसुइया पुलिस द्वारा जाँच के दौरान मुखबिर खास की निशादेही पर अभियुक्त संजय उर्फ संजू शर्मा पुत्र स्व0 किशन शर्मा नि0 74ब्75 खुशहाल पर्वत थाना अतरसुइया प्रयागराज उम्र करीब 52 वर्ष को थाना अतरसुइया क्षेत्रान्तर्गत स्थित 74ब्75 खुशहाल पर्वत से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 01 अवैध रिवाल्वर .32 बोर बरामद किया गया। गिरफ्तारीध्बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अतरसुइया में मु0अ0सं0– 27ब्2023 धारा 3ध्25 आयुध अधिनियम पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त–संजय उर्फ संजू शर्मा पुत्र स्व0 किशन शर्मा नि0 74ब्75 खुशहाल पर्वत थाना अतरसुइया प्रयागराज, उम्र करीब 52 वर्ष पंजीकृत अभियोग–मु0अ0सं0 27ब्2023 धारा 3ध्25 आयुध अधि0 थाना अतरसुइया, कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी–01 अवैध रिवाल्वर .32 बोर गिरफ्तारीध्बरामदगी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 पखण्डू राम चौकी प्रभारी कल्याणी देवी थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. उ0नि0 अरविन्द कुमार थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. उ0नि0 सचिन देव वर्मा थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज ।4. हे0का0 इनाम खाँ थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

सम्पादकीय

पक्ष - विपक्ष के झगड़े और जनमानस

संसद सत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री मोदी पर अदाणी को लेकर तीखे व अपमानजनक आरोपों के बाद प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेसी नेताओं की अपमानजनक टिप्पणियों का एक सिलसिला सा चल पड़ा। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा को जब इसी मामले में पुलिस ने धरा तो बड़े हंगामे व नाटकों के बाद उनको माफी माँगनी पड़ी। राहुल गाँधी इधर विदेशों में अपने भाषणों में भारत में लोकतंत्र खत्तरे में है, जाँच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है व संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता छिन गई है। जैसे आरोप लगा अपनी व देश की मजाक बनवा रहे हैं। इधर कुछ दिन पूर्व एक पूर्व बसपाई व भाजपाई नेता जो अब समाजवादी पार्टी में हैं, द्वारा रामचरितमानस को लेकर की गई विवादास्पद टिप्पणी एक घटिया राजनीतिक बहस में बदल गयी और राम व रामचरितमानस पर श्रद्धा व विश्वास करने वाले वोट के इन लालची नेताओं की गिरी हुई हरकतों को देख ठगे से रह गए। बात महाराष्ट्र की करे तो असली – नकली शिवसेना के झगड़े अब गहरी कटुता ले चुके हैं और परस्पर घटिया आरोप व छिछलेपन पर आ गए हैं। बिहार भी कम कहाँ है वहाँ सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दलों व उनके नेताओं की रार इतनी बढ़ी कि वरिष्ठ नेता उपेन्द्र कुशवाहा ने अपनी अलग राजनीतिक पार्टी ही बना ली । अपने नेताओं को साथ ले चलने में असफल नीतीश कुमार पूरे विपक्ष को एक कर भाजपा को लोकसभा के चुनावों में सौ सीटों पर पटकने के दावे कर रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर विपक्ष का नया मोर्चा बनाने निकल पड़े हैं किंतु उनकी बेटी कविता दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार के उसी शराब घोटाले में शामिल बताई जा रही हैं जिसमे वहाँ के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सीबीआई की गिरफ्त में हैं। चारा घोटाले में सजा पाए पैरोल पर बाहर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव व उनके परिवार को जांच एजेंसी प्लाट आवंटन घोटाले में धरने को तैयार बैठी है तो सपा – बसपा प्रमुखों के खघस रहे अतीक अंसारी के बेटे यूपी में खूनी खेल खेल रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की नेता एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई व अनेक मंत्री दर्जनों घोटालों में जांच के घेरे में हैं तो छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी मुख्यमंत्री के खघस अफसर व नेता खनन घोटाले में घरे जा चुके हैं। यही हाल झारखंड की सोरेन सरकार का है जहाँ के बारे में जांच एजेंसियों ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वहाँ हर मंत्रालय में किसी भी काम के चालीस प्रतिशत तक कमीशन का चलन आम बात है। केरल की कम्युनिस्ट सरकार का गोल्ड घोटाला भी खघसा चर्चा में रहा है और भर्ती घोटालों की तो जैसे देश में बाढ़ आ गई है। कश्मीर के नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी व कांग्रेस नेताओं के हजारो करोड़ की लूट व घोटालों की पोल पट्टी पिछले कुछ ही समय में आयी है और उनका आतंक परस्त व कट्टर इस्लामी जिहाद व पाकिस्तान समर्थक चेहरा भी । यही हाल पंजाब का है आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री भगवंत मान पूरी तरह असफल साबित हो रहे हैं और प्रदेश में खालिस्तानी हावी हो चुके हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह बेकाबू है और सीमा पार से ड्रोन द्वारा हथियार व ड्रग्स आये दिन आ रहे हैं। प्रदेश में ईसाई मिशनरी का धर्मांतरण का खेल भी अपने चर्म पर चल रहा है। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की गहलोत सरकार बुरी तरह असफल साबित हो रही है। आपसी गुटबाजी , भ्रष्टाचार और मुस्लिम परस्ती के कारण जनता त्रस्त है और भय के माहौल में जी रही है। इन सबके बीच कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में देश को बचाने व केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए सरकार की उखाड़ने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों को एक साथ आने का आह्वान किया गया। सभी विपक्षी दलों का एक सुर में आरोप है कि मोदी सरकार उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश के तहत जाँच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और अपनी सरकार के घोटालों पर कुछ नहीं करती व अपने नेताओं के घोटालों को छुपाने व दबाने का काम करती है। हो सकता है इन आरोपों में सच्चाई हो, किंतु क्या विपक्षी दलों ने चूड़िया पहन रखी हैं बात बात पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले इनके नेता दिन रात जो भाजपा शासित राज्यों व केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हैं , क्यों उन आरोपों को सबूत सहित सुप्रीम कोर्ट लेकर नहीं जाते? इसी से पता चलता है कि उनकी नीयत में खोट है। वे बस इतना चाहते हैं कि उनके भ्रष्टाचार पर कोई कुछ न बोले और चूँकि वे स्वयं भ्रष्ट हैं तो किस मुँह से कोर्ट का दरवाजा खटखटायें। विपक्ष में एक और कमी है और वो है वैकल्पिक नीतियों व आपसी एकता की। जिस जुनून व ऊर्जा से पिछले नौ सालो में मोदी सरकार ने भारत का विकास किया है व हर क्षेत्र में नए मापदंड स्थापित किए हैं, वह आश्चर्यजनक व प्रशंसनीय है। आज भारत की प्रतिष्ठा व सराहना पूरी दुनिया में हो रही है किंतु विपक्ष इस पर कान नहीं धरता। बीजेपी का आरोप है कि मोदी सरकार की लोकप्रियता से घबराकर ही विपक्ष बीबीसी डॉक्यूमेंट्री विवाद, अडानी समूह के विरुद्ध हिंडनबर्ग रिपोर्ट और अमेरिकी उद्योगपति जार्ज सोरेस का इस्तेमाल कर रहा है।विपक्ष शासित राज्यों की सरकारें जाति जनगणना, अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, पुरानी पेंशन योजना , राज्यपाल द्वारा गैर जरूरी हस्तक्षेप, अडानी– अंबानी को देश बेचने का राग व देश तोड़ने के घिसे पिटे आरोप, चीन के आगे घुटने टेकने जैसे मुद्दे लिए बैठी हैं , जिनमे जनता की कोई रुचि नहीं। सच्चाई यह है कि देश में दस साल शासन करने के बाद भी मोदी सरकार के विरुद्ध कोई एंटी इनकंबेंसी नहीं दिख रही। अगर सच में विपक्षी दलों को केंद्र की सत्ता में आना है तो मोदी जैसा व्यक्तित्व , नीयत, ऊर्जा व वैकल्पिक नीतियों के साथ ताल ठोकने होगी अन्यथा 2024 तो क्या 2029 को भी वो भूल जाए। मोदी सरकार व बीजेपी पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाना भी उचित नहीं क्योंकि घोटाले कर मौके भी विपक्ष ही देता है और अवसरों को भुनाकर सत्ता में आने की कला जिसको आती है वो ही राज करता है।

मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन इंडिया

इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस ह्यूमेन रिसोर्से इक्वलटू विकसित हेल्थ और वैलनेस इकोसिस्टम

भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में पूरी दुनियां का विश्वास हासिल करने हेल्थ केयर एप्रोच से एक कदम आगे वैलनेस की ओर बढ़ा – एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया – वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी ने जहां पूर्ण विकसित देशों की स्वास्थ्य सेवाओं को अपने आगे बौना कर दिया था, वही कुछ देशों नें स्वास्थ्य आपदा में भी मानवीय भलाई में सकारात्मक अवसर भी ढूंढे! पूरी दुनिया में कोरोना ने विकसित देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त होते दिखाया और सिखाया भी कि मानव जीवन स्वास्थ्य निरोगी रखने और महामारी से लड़ने हेतु हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की जरुरत है। याने हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस ह्यूमन रिसोर्से इक्वल टू विकसित हेल्थ और वैलनेस इकोसिस्टम! और भारत इस राह की ओर तेजी से चल पड़ा है, जिसने आपदा में अवसरों की एक लंबी छलांग लगाते हुए दो सव करोड़ से अधिक टीके लगा दिए हैं वही अपने स्वास्थ्य सेवाओं इन्फ्रास्ट्रक्चर ह्यूमन रिसोर्से को बढ़ाते हुए एक मिसाल कायम कर रहा है जिससे पूरी दुनिया का विश्वास हासिल करके मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन इंडिया हब बनाने की ओर चल पड़ा है, ताकि दुनिया में जिस बीमारी का इलाज होने में कठिनाई होती है वह भारत में आकर इलाज कराए जिससे यहां नए वित्तीय मार्ग, रोजगार, सेवा, प्रतिष्ठा सहित अनेक क्षेत्रों में समृद्धि हो और विश्व गुरु बनने के एक और पहिए पर अपनी पकड़ मजबूत बनाकर विजन 2047 के पूर्व ही अपनी उपलब्धि हासिल कर ले। चूंकि दिनांक 6 फरवरी 2023 को बजट 2023 उपरांत 12 वेबनारों में से यह 9 वा वेबीनार आयोजित हुआ और माननीय पीएम ने संबोधित किया इसलिए आज हम पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन इंडिया।

साथियों बात अगर हम माननीय स्वास्थ्य की देखभाल की करें तो मेरी जानकारी में अनेक वर्षों में यह पहली बार आया है कि पीएम द्वारा 6 मार्च 2023 को आने वाली गर्मियों में भारतीय नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए अपने निवास स्थान पर आगामी ग्रीष्मऋतु में गर्म मौसम के प्रति तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्चतम स्तरीय बैठक आयोजित कर भारत के हर क्षेत्र के नागरिकों किसानों गरीबों के लिए बनाए गए प्रारूपों की समीक्षा कर सभी आपदाओं द्वारा मॉक ड्रिल, जलाशयों पर नजर,खाद्य निगम मौसम, पूर्वानुमान, फायर ऑडिट और आपदा प्रबंधन टीमों सहित पूरी जानकारी लेकर कुछ महत्वपूर्ण दिशानिर्देश दिए याने हमारे पीएम की हमारे स्वास्थ्य के प्रति सक्रियता और चिंता का जीता जागता उदाहरण है।

साथियों बात अगर हम बजट उपरांत विभिन्न नौवें सत्र की थीम स्वास्थ्य और चिकित्सा अनुसंधान में पीएम के संबोधन की करें तो, उन्होंने गंभीर रोगों के इलाज के लिये मजबूत स्वास्थ्य अवसंरचना के महत्त्व को रेखांकित किया। सरकार की प्रमुख प्राथमिकता को रेखांकित करते हुये बताया कि देशभर में घरों के निकट 1.5 लाख से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों को विकसित किया जा रहा है, ताकि जांच केंद्र और प्राथमिक उपचार उपलब्ध हो सके। मधुमेह, कैंसर और हृदय सम्बंधी रोगों जैसे गंभीर मामलों की स्क्रीनिंग की सुविधायें भी इन केंद्रों में उपलब्ध होगी। और रेखांकित किया कि पीएम–आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत गंभीर स्वास्थ्य अवसंरचना छोटे शहरों और गांवों तक पहुंचाई जा रही है, जिससे न केवल नये अस्पतालों की वृद्धि हो रही है, बल्कि एक नई और सम्पूर्ण स्वास्थ्य इको–प्रणाली भी तैयार हो रही है, इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य उद्यमियों, निवेशकों और कार्य–व्यावसायिकों के लिये अनेक अवसर बनाये जा रहे हैं।आधुनिक चिकित्सा अवसंरचना से चिकित्सा मानव संसाधनों के विषय में सरकार द्वारा किये जाने वाले प्रयासों को रेखांकित किया और कहा कि अपने नागरिकों के लिये नई क्षमताएं केवल स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका लक्ष्य भारत को दुनिया का सबसे आकर्षक चिकित्सा पर्यटक गंतव्य भी बनाना है। चिकित्सा पर्यटन भारत का विशाल सेक्टर है और वह देश में रोजगार सृजन के लिये एक विशाल माध्यम बनता जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित स्वास्थ्य और आरोग्य इको–प्रणाली केवल भारत में सबके प्रयास से ही तैयार हो सकती है।उन्होंने सभी हितधारकों से अनुरोध किया कि वे इसके लिये अपने अमूल्य सुझाव दें। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा,हमें ठोस रोड–मैप के साथ तयशुदा लक्ष्यों के लिये समय के भीतर बजट प्रावधानों को क्रियान्वित करने में सक्षम होना होगा। अगले बजट के पहले सभी सपनों को साकार करतेहुये सभी हितधारकों को साथ लेकर चलने के लिये आपके अनुभवों की जरूरत होगी। महामारी के दौरान आपूर्ति श्रृंखला के बारे में मिले सबक को दोहराया और कहा कि यह चिंता का बड़ा कारण बन गया है, इस सच्चाई पर अफसोस प्रकट किया कि दवा, टीके और मेडिकल उपकरणों जैसे प्राणरक्षक उपाय उसी समय मोर्चे पर लगाये गये, जब महामारी अपने चरम पर थी उन्होंने रेखांकित किया कि पिछले बजट में सरकार ने लगातार कोशिश की कि दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम हो। उन्होंने इस मामले में सभी हितधारकों की भूमिका पर जोर दिया। स्वास्थ्य सुविधा को कोविड–पूर्व और कोविड–उपरांत महामारी परिदृश्य में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि महामारी ने समृद्ध देशों तक की परीक्षा ली है। महामारी के कारण पूरी दुनिया का ध्यान स्वास्थ्य पर गया, इसी क्रम में भारत ने एक कदम आगे बढ़ाते हुये आरोग्य पर अपना ध्यान लगाया,इसीलिये हमने दुनिया के सामने दृ एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य कीपरिकल्पना रखी है। इसमें सभी प्राणियों, मानव, पशु या पौधे सबके लिये समग्र स्वास्थ्य सम्मिलित है। आज फार्मा सेक्टर का बाजार आकार चार लाख करोड़ रुपये का है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निजी सेक्टर और अकादमिक जगत के बीच उचित तालमेल की जरूरत है, क्योंकि उसके पास इस बाजार को 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक तक बढ़ाने की क्षमता है। उन्होंने सुझाव दिया कि फार्मा सेक्टर को निवेश के अहम क्षेत्रों की पहचान करें। इस सेक्टर में अनुसंधान को बढ़ाने के लिये सरकार द्वारा उठाये जाने वाले अनेक कदमों को रेखांकित करते हुये बताया कि आईसीएमआर द्वारा अनेक प्रयोगशालाओं को अनुसंधान उद्योग के लिये खोल दिया गया है। पिछले कुछ वर्षो में कई नई योजनाएं शुरू की गई हैं। बल्क ड्रग पार्क की बात हो, मेडिकल डिवाइस पार्क की व्यवस्था विकसित करने की बात हो, पीएलआई जैसी योजनाओं पर 30 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया गया है। मेडिकल डिवाइस सेक्टर में पिछले कुछ वर्षो में 12 से 14 परसेंट की रेट से ग्रोथ भी हो रही है। आने वाले 2–3 वर्षों में ये मार्केट, 4 लाख करोड़ तक पहुंचने वाला है। हमने भविष्य की मेडिकल टेक्नोलॉजी हाई एंड मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च के लिए स्किल्ड मैनपॉवर पर काम शुरू कर दिया हैआईआईटी और दूसरी संस्थाओं में मेडिकल उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग की ट्रेनिंग के लिए, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग या उसके जैसे दूसरे कोर्सेस भी चलाए जाएंगे। इसमें भी प्राइवेट सेक्टर की अधिक भागीदारी कैसे हो, इंडस्ट्री,एकेडमी और सरकार इन सबके बीच अधिक से अधिक तालमेल कैसे हो और इस पर हमें मिलकर के काम करना है।अतः अगर हम उपरोक्त पूरे वरुण का अध्ययन कर उसकाविश्लेषण करें तो हम पाएंगे के मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन इंडिया।इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस वूमेन रिसोर्से इक्वलटू विकसित हेल्थ और वैलनेस इकोसिस्टम भारतस्वास्थ्य क्षेत्र में पूरी दुनियां का विश्वास हासिल करने हेल्थ केयर एप्रोच से एक कदम आगे वैलनेस की ओर बढ़ा।

भागम-भाग

आज भले हीं हम तरक्की पर चल रहे हैं,तरक्की की बात करते हैं, बड़े–बड़े कारखानों के बीच से गुजर रहे हैं,बड़ी–बड़ी अट्टालिकाओं पर सूबसूरत आफिस खोल रखें हैं,उसके रख–रखाव में करोडों रुपये खर्च कर रहे हैं,किसी भी समारोह में अपने को बेहतर पेश कर रहे हैं,

लाखों रुपये लुटा रहे हैं,अपना एक सपनों का महल भी बना रखे हैं,आदि–आदि....पर मन मलीन है,अशान्त जीवन है,कारण हम भौतिकता की तरफ भाग रहे हैं, भागना गलत नहीं हैं,पर आँख बन्द करके भाग रहे हैं,असली जीवन से दूर खड़े हैं,वहाँ खड़े जहाँ केवल चमक हैं,जहाँ सब कुछ बिखरा पड़ा है,हम समेट भी नहीं सकते..और हम भागे जा रहे हैं,अब भी कुछ मिल जायेगा,इसी उधेड़–बून में जीवन गुजर जाता है,मिलता कुछ नहीं, पर हम बहुत कुछ खो देते हैं,जहाँ

से लौटना आसान नहीं होता, आहिस्ता–आहिस्ता सब कुछ लुट जाता है,भौतिकता के इस महा रेस में...आदमी भाग रहा है,अच्छे सम्बन्धों से,मित्रों से,माँ–बाप से,आदमियता से,चिन्तन से,साधना से,आत्मीय स्नेह से,यहाँ तक..अपनों से भी बहुत दूर खड़ा है,आखिर वह पाना क्या चाहता है,अपने जीवन से।

अगर कुछ पाना है,जानना है, सीखना है, तो जीवन में ठहराव जरुरी है,बिना ठहरे कुछ हासिल नहीं होने वाला है,ठहरेंगे तो उतरेंगे,उतरेंगे तो पायेंगे,जीवन का असली मकसद यहाँ है,वहाँ नहीं।

कवि सत्यनारायण पाण्डेय
नारायण
भीटी खोरिया
गोरखपुर

जैकी की रोटी

आज दालान सफाई का तीसरा दिन है
दो दिन पहले भी मेरी माँ सुबह सुबह साफ कर चुकी थी। पहले दिन तो कुछ
सहानुभूति के साथ, दूसरे दिन आज इसकी तबीयत सही हो जायेगी इस उम्मीद के साथ और आज तीसरा दिन
कुछ गुसे और नाराज के साथ। वर्ष बीत गये उसको हमारे साथ रहते कभी
कोई तकलीफ नहीं हुई। वह धार से आई थी। हमारे जीजा जी उस को लाये थे। कुछ दिन उनके साथ रही, किंतु जब वे अवकाश पर अपने घर गए तो तब इसे हमारे पास छोड़ गये थे। तब से हमारे पास ही रह रही थी। बकायदा
कोई नामकरण संस्कार तो नहीं हुआ था किन्तु एक दिन अचानक मैने उसे
जैकी कहाँ था बस फिर वह उसका नाम ही हो गया। वह सारा मोहल्ला उसे इसी नाम से बुलाता था। बच्चो की वह दोस्त बन गई थी। पंजा देती, नाचती, सीट डा उन, गेट आ उट का पालन करती, जब में बाहर से आता तो बड़ा प्रेम जताती
घर में कई बार उसको रखने नहीं रखने पर बहस हो चुकी थी। मेरा बड़ा भाई उसे रखना नहीं चाहता था। माँ का हुक्म था घर के अंदर नहीं आने दूँगी बाहर ही रखना होगा। पिताजी तटस्थ थे रहे या न रहे जैसी सब की इच्छा
वक्त गुजरता गया, प्रेम भी बड़ता गया। मैने देखा बड़े भाई भी अब उसको बहुत चाहने लगे थे। छोटा भाई रोज उसे घुमाने ले जाता था। परिवार की सदस्य हो गई थी
बड़ी प्यारी सी आखें सदा ही चमकती रहती थी। मस्तक पर काला टिका था। दुबली पतली और साफ सुथरी थी जैकी।किंतु आज सफाई का तीसरा दिन है। घर में सुबह से कोहराम मचा है। माँ का गुरसा बहुत तेज है, वह कह रही थी मैने पहले ही कहा था इसे घर में नहीं आने दूँगी
उस दिन वह बहुत ही दुःखी थी न खाना खाया न पानी पिया। सभी ने देखा उसकी आँखों से पानी निकल रहा था। बड़ा गम गीन दिन था। दिन भर वह वैसी ही बैठी रहीं। दूसरे दिन अचानक वह सुबह से गायब हो गई। मेरी बच्ची बेला, जैकी को वापस लाओ की जिद करने लगी। काम करने वाली ने बताया दूर गड्ढे में एक कुतिया मरी पड़ी है। में गया था, उसे देखने वह
जैकी थी। एकदम शांत पड़ी थी। उसकी चमकदार आँखे पथरा गई थी
उसके मस्तक का टिका साफ चमक रहा था
माँ बेला को समझा रही थी। रोना बन्द करो, पापा गये है लेकर आते होंगे। घर
लौट कर देखता हूँ देहरी में बेला, जैकी की रोटी लिए खड़ी थी। पानी से भरा कटोरा रखा था। तभी एक कुत्ता दोड़ता आया और झपट कर bela ds hath se roti
roti le gaya
bela jiki ki roti kah fut fut rone lg

नारीयों के दमन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता

(सशक्त कानून की आवश्यकता)

देश में शहरों और गांवों में नारियों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देती है। आसपास और पास पास इतनी दिल दहला देने वाली घटनाएं प्रकाश में आती हैं की मानवता केवल आंसू बहा कर रह जाती है। क्या इतना बड़ा सशक्त पुरुषों का समाज इसे रोकने में सक्षम नहीं है। देश में यह प्रश्न यक्ष प्रश्न की तरह हम सबके सामने खड़ा है। भारत में गरीब तबके में महिलाओं की स्थिति अभी भी दयनीय है मजदूरी करने से लेकर घरों में झाड़ू पोछा बर्तन मांजने तक औरत अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर है। नारी उत्पीड़न की शुरुआत यहीं से होती है ।भारत में नारी अभी भी बहुत उपेक्षित प्रताड़ित तथा उत्पीड़ित है। हजारों उत्पीड़न तथा प्रताड़ना की घटनाएं प्रकाश में ही नहीं आ पाती हैं, और हम नारी दिवस पर जोर जोर से नारी उत्थान की दलीलें देते फिरते हैं। यह अत्यंत पीड़ा दायक तथा विचारणीय है।स्त्री जागरण के परिपेक्ष में भारत में नई स्त्री की संकल्पना उभरती है। भारत की स्त्री जागरण स्थितियों में पश्चिम नारीवाद का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है, इसमें बुनियादी नारी अधिकारों के जरिए सशक्तिकरण की बात की गई है। भारत में नारी उत्थान और समानता का संकल्प एवं विमर्श मूलतः मध्यम वर्गीय, शहरी और अभिजात्य इसमें स्त्रियों के बुनियादी अधिकार शिक्षा रोजगार आर्थिक स्वतंत्रता की बात का जोर शोर से जिक्र किया गया है। गांव की स्त्रियों पर घरेलू हिंसा तथा कस्बाई स्त्रियों के शोषण की समस्याएं लगभग हाशिए पर हैं। इसके अलावा भारत की परंपरागत विशेषताएं है जो भारतीय जनमानस में इस तरह घुली मिली हैं कि यकायक दलित स्त्री को सबला या सर्व शक्तिमान मानना पुरुष समाज को स्वीकार्य नहीं होगा। भारतीय स्त्री पति को परमेश्वर एवं मातृत्व के दायित्व को निभाने वाली एक अबला स्त्री ही है। पिता, भाई तथा पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी भी सक्षम नहीं हुई है। जबकि यूरोपीय देशों का नारीवाद एवं नारी सशक्तिकरण एक अलग दृष्टि तथा नई दिशा को दर्शाता है। भारत की नारी अपनी ष्स्त्रीष्होने के दायित्व को यकायक ठुकरा कर उसकी बेड़ियों से बाहर नहीं निकल सकती। भारतीय समाज अभी भी स्त्रियों को मान्य रुप से बराबरी का दर्जा नहीं दे पाया है। वह अभी भी स्त्री को अबला एवं विज्ञापन का एक अच्छा जरिया मानता है, स्त्रियां को आज भी पुरुष विहीन समाज किसी भी तरह ग्राह्य एवं मान्य नहीं है। भारतीय संदर्भ में नई स्त्री की कल्पना वास्तव में महिलाओं के लिए एक मिथक तथा मृग मरीचिका के रूप में है। स्त्री उत्थान विमर्श के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक होगा की हर समाज की अपनी वैचारिक विशेषता, संस्कृति एवं सीमाएं होती हैं। नारी सशक्तिकरण की जितनी भी अवधारणाएं और नियम कानून बने हैं, वह सब पश्चिम से अनुसरण करके बनाए गए हैं, ऐसे में भारतीय दलित स्त्री की वैचारिकी क्या हो सकती है, इसकी संकल्पना भारतीय नारी ही कर सकती है। भारत की नई स्त्री वह होगी जो अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो, एवं स्वतंत्रत विचारों के अधिकार से अच्छी तरह वाकिफ एवं जानकार हो। कस्बाई तथा झोपड़पट्टी में रहने वाली स्त्रियों को जहां भारत में शिक्षा का अभाव है, ऐसे में उनके लिए जागरूकता लाना अभी भी एक टेढ़ी खीर तथा एक बड़े अभियान चलाने जैसी बात होगी। भारत में जहां 35ः स्त्रियां साक्षर नहीं है, ऐसे में नई स्त्री की परिकल्पना केवल पश्चिमी देशों में ही की जा सकती है। भारत में स्वतंत्रता संग्राम से स्त्रियों की सहभागिता रही है, उसके उपरांत पंचायती चुनाव में महिला आरक्षण, संरक्षण,शिक्षा तथा रोजगार में बढ़ती सहभागिता नौकरी पेशा स्त्रियों का मातृत्व सुविधा कार्य के लिए समान वेतन का संघर्ष भारत में स्त्री बेचारी की मानसिकता को सशक्त करते हैं। भारत में नारी सशक्तिकरण एवं नारी समानता के उदाहरण चिकित्सा, तकनीकी, विधि विधाई, शिक्षा जगत, सेना तथा सरकारी नौकरी में दिखाई तो देते हैं पर यह स्त्रियों की संख्या उनकी जनसंख्या के अनुपात में अत्यंत ही न्यून है। भारत में स्त्री समानता के लिए भारतीय समाज, सरकार, राजनेताओं चिंतकों को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण न कर भारत की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तथा धार्मिक पृष्ठभूमि को देखकर उसके अनुरूप स्त्रियों के विकास तथा सशक्तिकरण एवं समानता के लिए सशक्त योजनाएं बनाकर उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी है। वरना नारी सशक्तिकरण नारी समानता और नारी उत्थान की बातें कागजों तक सिमट के रह जाएंगी, और नारी अभी भी अंधेरों में, गांवों में झोपड़पट्टीयों में उत्पीड़न एवं शोषण का शिकार होती रहेंगी।

होली के पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए अर्धसैनिक बलों ने क्षेत्र में किया फ्लैग मार्च

आजमगढ़ निजामाबाद निजामाबाद थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अर्धसैनिक बलों द्वारा होली पर्व को शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिए थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनसील और चौराहों,नुक्कड़ों,बाजारों में थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में फ्लैग मार्च कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया ।सभी को पर्व में सतर्क रहने एवं किसी प्रकार का खलल न डालने का संदेश दिया। निजामाबाद नगर क्षेत्र में आर ए एफ और निजामाबाद पुलिस द्वारा साथ मिलकर नगर के विभिन्न वार्डों में फ्लैग मार्च करते हुए लोगों को एहसास कराया कि हम मौजूद हैं। एक बार तो जैसे ही अर्धसैनिक बल व पुलिस के जवान जिन वार्ड में घुसे तो लोगों को कुछ अनहोनी होने की आशंका होने लगी और लोग आपस में कानाफूसी करने लगे। इस दौरान अर्धसैनिक बलों द्वारा निजामाबाद के थाना मोड़ से कसाई मुहल्ला,ठाकुरद्वारा चौक, स्टेट बैंक रोड, घूरीपुर मोड़,पुरानी सब्जी मंडी,फरहाबाद तिराहा,पुल चुंगी सेन्टरवा मोड़ सहित नगर के विभिन्न भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में पैदल मार्च करते हुए लोगों को पर्व पर शांति व्यवस्था कायम रखने वाला किसी प्रकार की दुर्व्यवस्था उत्पन्न न होने देने का एहसास कराते हुए फ्लैग मार्च किया ।इस संदर्भ में निजामाबाद थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि होली पर्व को देखते हुए होली सहकुशल संपन्न कराने के लिए क्षेत्र में होली पर्व पर कोई भी अराजकता न फैलाए,शराब पीकर कोई भी हुड़दंग न करें इसी को देखते हुए आर ए एफ एवं सिविल पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च किया जा रहा है जिससे क्षेत्रवासी कस्बेवासी बिना किसी भय के होली का त्यौहार मना सके और त्यौहार पर किसी प्रकार की दुर्व्यवस्था न हो पाए। साथ ही होली के दौरान अर्धसैनिक बल पीएसी के जवान एवं पुलिस के जवान जगह–जगह तैनात रहेंगे ।जिससे किसी प्रकार का क्षेत्र में व्यवधान उत्पन्न न हो पाए। इसके अलावा स्वय थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सिंह अपने हमराही सिपाहियों के साथ क्षेत्र और कस्बे में भ्रमण कर रहे हैं।

मौसम का यू टर्न आसमान में बादलों ने डाला डेरा

मंगलवार को दिन में आसमान बिल्कुल साफ था लेकिन शाम होते –होते आसमान को बादलों ने ढक लिया और धीमी गति से ठंडी हवाएं चल रही हैं जिस कारण किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच गई हैं क्योंकि इस समय गेहूं की बालियां निकल आई हैं और दाने बैठ रहें हैं अगर बारिश होती है और तेज हवायें चलती हैं तो गेहूं की फसल गिर सकती है।इस समय खेतों में सरसों की फसल पककर तैयार है और काफी किसान सरसों की कटाई करके या तो उसे खलिहान में रखें हैं या तो खेतों में इसकी कटाई करके छोड़े हुए हैं।ऐसे में थोड़ी बारिश से किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। बारिश का असर आम के बौर पर भी पड़ सकता है। इस सम्बन्ध ा में विकास खंड मछलीशहर के गांव बामी के किसान नन्दू मिश्रा कहते हैं कि मौसम में आज शाम आये परिवर्तन से अगर हल्की बूंदाबांदी होती है तो बहुत डर नहीं है लेकिन अधिक वर्षा होने पर अगर तेज हवायें भी चलती हैं तो नुकसान की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

प्रियाकांतजू मंदिर में होली की मस्ती में सराबोर हुए भक्त

विश्व प्रसिद्ध ब्रज की होली का आनन्द रस धर्म नगरी वृंदावन के प्रमुख मंदिरों में जमकर बरस रहा। इसी श्रृंखला में छटीकरा मार्ग स्थित श्री प्रियाकांतजू मंदिर में मंगलवार को होली महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जहां स्थानीय एवं विभिन्न प्रांतों के हजारों श्रद्धालु भक्तों ने ब्रज की विविध होलियों का जमकर आनंद लिया। मंदिर के संस्थापक एवं भागवत प्रवक्ता देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज के सानिध्य में आयोजित महोत्सव में जहां श्रीराधाकृष्ण स्वरूपों के साथ फूलों की होली खेली गई। वहीं श्रद्धालुओं ने होली गीत व भजनों की मनोहारी प्रस्तुति के मध्य फूल होली का आनन्द लिया। इसके साथ ही लड्डू व जलेबी की होली मानो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई। श्रद्धालु भक्तों के मध्य लुटाए गए लड्डू व जलेबी को लूटने के लिए भक्तों में होड़ सी मच गई और हर कोई ठाकुरजी की इस प्रसादी को लूटकर स्वयं को धन्य करता हुआ दिखाई दिया। साथ ही ब्रज की लठामार होली ने भी भक्तों को आनन्दित कर दिया।

हर्षोल्लास के साथ समाप्त हुआ लंगडपुर गांव का उर्श

सागदीय तहसील क्षेत्र के बनकट बाजार के पास स्थित लंगरपुर गांव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी उर्श का आयोजन किया गया जो देर रात तक चला और हर्षोल्लास के साथ समाप्त हुआ उर्स के संचालक मकबूल बाबा ने सफाई ना होने के सवाल पर मीडिया को बताया कि हमने जब सफाई करने के लिए सफाई कर्मी से कहा तो उसने सीधे कहा कि हमें प्रधान प्रतिनिधि सफाई करने से मना किए हैं इस संबंध में जब प्रधान प्रतिनिधि से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमने ऐसा कुछ नहीं कहा है हमारे ऊपर लगाया गया आरोप गलत है मामला कुछ भी हो इस गांव में लगने वाला मेला अपने आप में एक ऐतिहासिक मेला है । इस मेले की खासियत यह है कि यहां एक बाबा की मजार है जिनकी मजार पर लोग मत्था टेकते हैं और मुरादे मांगते हैं मुराद पूरी हो जाने पर यहां मुर्गा मलीदा चादर फूल माला और बतासा आदि चढ़ाते हैं साथ ही साथ उनकी मजार पर आने से लोगों का जादू टोना और भूत प्रेत भी छूटता है ।

लोगों का ऐसा मानना है कि यह मजार लोगों के दुखों की कारण का निवारण बनी हुई है इसी वजह से इस मेले में टोना जादू और भूत प्रेत से पीड़ित लोग अधिक से अधिक संख्या में आते हैं साथ ही साथ जो बे औलाद हैं वह लोग भी औलाद की प्राप्ति के लिए यहां आकर मन्नते मांगते हैं

यह मेला प्रातः काल से प्रारंभ होकर पूरी रात चलता है मेले में दूर दूर से दुकानदार अपनी–अपनी दुकानें लाकर मेले की शान बढ़ाते हैं वही झूला चरखी वाले बच्चों को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं इस झूले चरखी पर बच्चे झूल कर आनंद लेते हैं । इस मेले की सबसे बड़ी कमी यह रही कि मेले के अंदर गंदगी का अंबार लगा रहा जिस में दुकानदार अपनी दुकान लगाने के लिए मजबूर थे दूरदराज से आए हुए श्रद्धालु धूल मिट्टी के ऊपर सोने के लिए मजबूर थे। मेले की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि मेला संचालक मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को अपनी तरफ से निशुल्क भोजन करा रहे थे और यह सिलसिला प्रतिवर्ष मेले में चलता है।

पवन जायसवाल ने होली की जनपदवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी

संतकबीरनगर। भाजपा नेता पवन जायसवाल ने रंगोत्सव के पर्व होली की जनपदवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पवन जायसवाल ने अपने संदेश में कहा है कि होली रंगों तथा हंसी खुशी का त्योहार है। होली का उत्सव, उत्साह एवं उमंग के साथ मनाएं। कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे दूसरे को कष्ट हो । उन्होंने होली के पावन पर्व को आपसी सदभाव और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है।

जिला कारागार में महिलाओं को विधिक अधिकार की दी गई जानकारी

रायबरेली। अन्तर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीश, अब्दुल शाहिद के दिशा–निर्देशन व अपर जिला जज व सचिव उमाशंकर कहार के मार्गदर्शन में 4 मार्च से 11 मार्च तक विधिक साक्षरता एवं जागरुकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिला कारागार में 'विधिक जागरुकता द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण' विषय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पराविधिक स्वयं सेवकगण द्वारा महिलाओं को उनके विधिक अधिकार विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। जागरूकता कार्यक्रम मे महिलाओं को सरकार की विभिन्न निःशुल्क योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी एवं उन्हें मानसिक विकास के प्रति सदैव सजग रहने हेतु प्रेरित किया गया।

शिविर में उपस्थित जेलर सत्य प्रकाश के द्वारा बताया गया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उनका विधिक रुप से जागरुक होना अतिआवश्यक है। आज समाज के सभी क्षेत्रों में पुरुषों के बराबर महिलाएं भी योगदान दे रही है। उक्त कार्यक्रम को डिप्टी जेलर ज्ञानलता पाल के द्वारा भी सम्बोधित किया गया। जागरूकता शिविर मे पराविधिक स्वयं सेवक पूनम सिंह, रत्ना बाजपेई, पम्मी, पवन कुमार श्रीवास्तव व मनोज कुमार प्रजापति उपस्थित रहे।

आकाश ग्रुप के डायरेक्टर सागर गुप्ता ने क्रिकेट टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

रायबरेली। भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन ग्राम उस्मानपुर निकट गंगागंज रायबरेली में संपन्न हुआ। जिसका उद्घाटन आकाश ग्रुप के डायरेक्टर सागर गुप्ता द्वारा किया गया। टूर्नामेंट में 6 टीमों ने प्रतिभागीता की जिसमें उस्मानपुर लालू पर मजगामा करण मजगामाराव गुल्लूपुर डोंगरी के खिलाड़ियों का समागम हुआ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि सागर गुप्ता ने सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारे देश में क्रिकेट के तमाम खिलाड़ी उभरकर आ रहे हैं। रायबरेली से भी खिलाड़ी नेशनल और फिर इंटरनेशनल टीम में शामिल होंगे, अगर सभी इसी प्रकार मेहनत करते रहे। इस अवसर पर ग्राम प्रधान विजय कुमार जयसवाल ने भी खिलाड़ियों के हौसला अफजाई की। टूर्नामेंट में मुख्य रूप से नेहरू सिंह, कृष्ण दत्त, हरिदत्त, रविशंकर, राज नारायण एवं कमेटी से विनीत मनीष मिश्रा, आशीष मिश्रा, मुकेश, रजनीश पांडे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भंभुआ में आवास की शिकायत पर हस्ताक्षर करना पड़ा भारी

स्थानीय विकास खंड कर्नलगंज के ग्राम सभा भंभुआ में आवास आवंटन में हुए जमकर खेल का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। वहीं आवास की शिकायत पर हस्ताक्षर करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया।

मामला विकास खंड कर्नलगंज के ग्राम पंचायत भंभुआ से जुड़ा है। मिली जानकारी के मुताबिक यहां पहले पात्रों को छोड़कर अपात्रों को रेंवड़ी की तरह मुख्यमंत्री आवास बांटा गया। इसकी शिकायत कई बार दूरभाष पर व पत्र के माध्यम से खण्ड विकास अधिकारी व अन्य अधिकारियों से की गई,लेकिन हर डाल पर जब भ्रष्टाचार फल फूल रहा है तब उसकी जांच कहां से होगी और अपने आवास के लिए शिकायतकर्ता प्रतिदिन ब्लॉक का चक्कर काटता रहा लेकिन उसे वहां से कोई न कोई बहाना बता कर ब्लॉक के अधिकारी वापस भेज देते थे तब शिकायतकर्ता ने परेशान होकर जिलाधिकारी का दरवाजा खटखटाया तो किसी ने बताया कि एक प्रार्थनापत्र पर गवाह के रूप में अपने ग्राम सभा से 4 से 6 लोगों के हस्ताक्षर बनवाकर ले आइए तब आपका काम होगा यही सोचकर शिकायत कर्ता द्वारा एक प्रार्थना पत्र तैयार करके कुछ लोगों से हस्ताक्षर बनवाकर प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी को दिया गया तो गांव के एक व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर बनाने वाले व्यक्ति को जान से मारने की भी धमकी मिल गई। जिसकी शिकायत प्रार्थी द्वारा अपने नजदीकी थाना कर्नलगंज में की है। वहीं उक्त प्रकरण में यह भी आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारी जानबूझकर उदासीनता बरत रहे हैं और प्रधान प्रतिनिधि बुधराज सिंह, सेक्रेटरी सौम्या चौधरी, एडीओ पंचायत अभिषेक सिंह व खंड विकास अधिकारी द्वारा लाभार्थी के ऊपर समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है। अब देखना है कि जिलाधिकारी व पुलिस प्रशासन द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय परसपुर सेवा केन्द्र पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री श्रीमती नेहा सिंह जिला पंचायत सदस्य एवं राष्ट्र की सेवा कर रहे फौजी धर्मेन्द्र कुमार सिंह कमांडो पहुंचे। जहां संस्था की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी अनामिका दीदी ने मुख्य अतिथि का तिलक लगा कर माल्यार्पण कर पगड़ी पहना कर अंगवस्त्र से सुशोभित करते हुए स्वागत–सम्मान किया। ब्रह्मकुमार जेपी भाई ने मंच का संचालन किया।भाजपा नेत्री श्रीमती नेहा सिंह जिला पंचायत सदस्य ने उपस्थित माताओं बहनों एवं भाइयों को अपने ओजस्वी वाणी से सम्बोधित करते हुए कहा कि नारी किसी भी युग में कमतर नहीं रही। सतयुग से लेकर आज के इस कलयुग में भी नारी हर क्षेत्र में कामयाबी हासिल कर रही है।अंतरिक्ष यात्री बहन कल्पना चावला जी से लेकर अनेकानेक महिलाओं ने अपने अपने कर्म क्षेत्र पर ईमानदारी व निष्ठापूर्ण सेवा देकर देश तथा समाज का नाम रोशन किया है और अनेकों इतिहास रचे हैं। श्रीमती नेहा सिंह ने माताओं एवं बहिनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सदा सकारात्मक सोंच विकसित करें, कभी भी अपने जीवन में टेंशन को फटकने ना दें। सदा यही ख्याल रखें कि हर मुश्किल का हल होगा। आज नहीं तो कल होगा। नारी अभी भी अबला नहीं रही बस कुछ दशक पहले नारी खुद को अबला समझ बैठी थी लेकिन धीरे धीरे महिलाओं में अपने अस्तित्व का बोध हुआ तो वह अबला के बजाय सबला हो चुकीं हैं। महिलाओं ने ठान लिया है की महिलाएं खुशहाल तो परिवार खुशहाल...। के थीम पर चलकर ही सुखमय जीवन जिया जा सकता है। श्रीमती नेहा सिंह ने उपस्थित भाई बहिनों व माताओं को सुझाव दिया कि राजयोगी (मेडिटेशन) के अभ्यास से सदा टेंशन मुक्त रहो,जीवन में जो है सो पर्याप्त है। समझदारी पूर्वक कार्य करते हुए आपसी वर्चस्व से बचो। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बाबू धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि नारी जाति से ज्यादा सहनशीलता और घटनाओं को समाने की शक्ति और किसी में है ही नहीं। नारी तू है नारायणी।कमांडो ने वंदे मातरम् शब्द का मार्मिक चित्रण करते हुए बताया कि नारी शक्ति ने सामाजिक परिवर्तन लाने का एक महान कार्य किया है,।

घर में मिले दंपति के शव , मचा कोहराम , हत्या की जताई आशंका

घर के अंदर कमरे मे पति पत्नी के शव मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। पत्नी कसम जमीन पर लहु लोहान से लथपथ पड़ा था। वही पति का शव कमरे में ही फंदे पर लटकता मिला। लोगों ने पति पर पत्नी की बेरहमी से पीट–पीटकर हत्या के बाद खुद को मौत को गले लगाने की बात सामने आ रही है। पुलिस इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद खुलासा करने की बात कह रही है। दंपति के शव घर के अंदर कमरे में मिलने से घर परिवार में कोहराम मच गया। वही लोगों में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई। कन्नौज गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के पाठकनपुर गांव मे एक घर के अंदर कमरे में दंपति के सब मिलने की सूचना मिलते ही कोहराम मच गया। गांव निवासी संजू उम्र 35 वर्ष पुत्र राधेश्याम पत्नी गीता देवी दोनों का शव घर के अंदर कमरे में पड़ा मिला। मृतक संजू अपने तीन बच्चों व पत्नी के साथ घर पर रह रहा था। मंगलवार सुबह बच्चों ने देखा तो होश उड़ गए। मां लथपथ जमीन पर पड़ी थी । पिता घर के अंदर कमरे में ही फंदे पर झूलते मिले। बच्चों ने जानकारी अपने बाबा राधेश्याम को दी। वही इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी होते ही गांव में सन्नाटा पसर गया।

बाबागंज ब्लॉक मुख्यालय पर हुआ होली मिलन कार्यक्रम

नवाबगंज , बहराइच। होली महापर्व के आगमन पर क्षेत्र मे कई स्थानों पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कहीं पर मिष्ठान वितरण तो कहीं होली मिलन का कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी क्रम मे विभिन्न विभागीय कार्यालयों मे कर्मचारियों द्वारा होली पूर्व होली मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसी क्रम मे विकासखंड नवाबगंज ब्लॉक मुख्यालय बाबागंज मे सोमवार को होली पूर्व होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख जयप्रकाश सिंह रहे। इस दौरान ब्लॉक के सभी अधिकारियो व कर्मचारियों द्वारा एक दूसरे से गले मिलकर रंग अबीर लगाया गया व मिठाई व गुझिया खिलाकर होली की शुभकामनायें दी गई। समारोह को सम्बोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख श्री सिंह ने कहा की रंगों का पर्व होली भाईचारे का पर्व है जो हमें आपस के वैमनस्य व मतभेद भुलाने की सीख देता है। इससे पूर्व एडीओ पंचायत अशफाक अहमद ने मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख श्री सिंह का माल्यार्पण करते हुए उन्हें अबीर गुलाल लगाया व गुझिया खिलाते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। एडीओ पंचायत ने विकास विभाग की ओर से सभी देशवासियो व कर्मचारियों को होली की बधाई दी। इस मौके पर एपीओ विकास, सचिव शत्रोहन लाल, तौफीक अहमद, भूपेंद्र यादव, चौधरी चरण सिंह, विनोद वर्मा, आजीविका मिशन संतोष कुमार, राजेश कुमार सिंह, आवास बाबू विनोद सिंह सहित काफी संख्या मे लोग मौजूद रहे।

सड़क पर खड़े ट्रक से चोरों द्वारा तेल चोरी

कर्नलगंज, गोण्डा। कोतवाली क्षेत्र के कर्नलगंज–परसपुर मार्ग स्थित एम.बी.एस स्कूल के पास सड़क पर खड़े ट्रक से चोरों द्वारा तेल चुराने का एक मामला प्रकाश में आया है। जिसमें पीड़ित ट्रक चालक के चाचा की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जय प्रकाश सिंह निवासी करनैलगंज ग्रामीण (नचनी) थाना कोतवाली करनैलगंज,गोण्डा द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि ट्रक नं० PB08DG1042 को मेरा भतीजा अनिल सिंह निवासी करुवा जब्दा चलाता है। बीती 5᠎6 मार्च की रात्रि में अनिल सिंह ट्रक को एमबीएस कान्वेन्ट स्कूल के पास चाय की दुकान के पास कर्नलगंज–परसपुर मार्ग पर बायें पटरी पर जो ग्राम करुआ में पड़ता है,यहीं खड़ा करके केबिन में सो गया था। इसी बीच अचानक आभास हुआ कि उक्त ट्रक की टंकी के पास खटपट की आवाज हो रही है तो वह अचानक चिल्लाते हुये नीचे उतरा तो देखा कि तीन व्यक्ति ट्रक की टंकी से चोरी से तेल निकाल रहे हैं। जरीकैन में तेल डीजल लेकर मुझे देखते ही तीनों व्यक्ति बगल में खड़ी बोलेरो सफेद रंग की नं0 UP 43 V 9685 पर फुर्ती से डीजल रखकर कर्नलगंज की तरफ भाग गये। दर्ज मुकदमे में बताया गया है कि एक व्यक्ति को वह भली–भांति पहचानता है और उसका नाम वसीम पुत्र फारुख ग्राम भगतपुरवा पहाड़ापुर है,जो उक्त बोलेरो का ड्राइवर है तथा इसके साथ एक और व्यक्ति को भी पहचानने की बात कही गई है। ट्रक से करीब 20 से 25 ली० डीजल चोरी होने की बात कही गई है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना कटरा बाजार के पहाड़ापुर चौकी क्षेत्र में दबंगों का आतंक

कटरा बाजार, गोण्डा। थाने के पहाड़ापुर चौकी क्षेत्र में जिम्मेदार चौकी प्रभारी की निरंकुश कार्यशैली के चलते दबंगों और अपराधियों के हौंसले इतने बुलंद हैं कि उनको पुलिस का भी कोई भय नहीं है। जहां खुलेआम लोगों को आतंकित करना, गाली गलौज करना,जान से मारने की धमकी देना,माहौल बिगाड़ना और गरीब कमजोर लोगों की जमीनों पर जबरन कब्जा करना इन दबंग अपराधियों के लिए आम बात है। ऐसे में आम जनमानस अपने को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि स्थानीय पुलिस का इन दबंगों को खुला संरक्षण मिला हुआ है। मामला क्षेत्र के गांव व मौजा रामगढ़ डीहा से जुड़ा है। यहां प्रधान के शह पर पुरानी जमीनी रंजिश में बेखघैफ दबंगों द्वारा एक असहाय महिला का छप्पर फूंक दिए जाने का मामला सामने आया है। जिसमें एक भैंस का नाक, कान,आंख व गाल आग की लपट से जल गया है। मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

निर्मला देवी पत्नी राधिका प्रसाद उर्फ ढेलई निवासिनी गांव व मौजा रामगढ़ डीहा थाना कटरा बाजार,गोंडा के द्वारा थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक पीड़िता के घर के बाहर रखे छप्पर जिसमें वह अपने जानवर बांधती थी व चारा रखती थी। दिनांक 07᠎03᠎2023 की सुबह साढ़े तीन बजे पुरानी जमीनी रंजिश को लेकर विपक्षीगण रामनेवाज व राजेश पुत्रगण परमेश्वर व जयलाल पुत्र संगम लाल जो उसके गांव में रहते हैं, छप्पर में आग लगा दी है। जिससे छप्पर जलकर राख हो गया। मेरी भैंस का नाक, कान, आंख व गाल आग की लपट से जल गया है। यह पूरी घटना उसके गांव के प्रधान हारुन पुत्र बकरीदी के सह पर हुआ है। मामले में कटरा बाजार पुलिस ने मु०अ०सं० 0110 पर भारतीय दंड संहिता की धारा 435 व पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की ध ारा 11 के तहत आरोपियों रामनेवाज, राजेश,जयलाल व ग्राम प्रधान हारून समेत चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

एम्बुलेंस में गूंजी किलकारी, जच्चा बच्चा दोनो स्वस्थ

सतांव क्षेत्र के पहाड़ खेड़ा गांव की प्रस्तुता ने एंबुलेंस में ही बच्चे को जन्म दिया। सतांव क्षेत्र के पहाड़ खेड़ा निवासी विजय कुमारी पत्नी अजय कुमार को प्रसव पीड़ा शुरू हुई, घर के परिजन ने 108 एम्बुलेंस पर फोन लगाया। मौके पर पहुंची एंबुलेंस यूपी32बिजी8955 के पायलट विशाल सिंह ईएमटी आलोक कुमार तिवारी व घरवालों के साथ प्रस्तुता को एम्बुलेंस से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जटुआ टप्पा लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में प्रस्तुत को प्रसव पीड़ा और तेज हो गई। ईएमटी पायलट व घरवालों की सूझबूझ से एंबुलेंस में सुरक्षित प्रसव कराया गया। दोनों जच्चा–बच्चा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जटुआ टप्पा में भर्ती कराया गया, जहां पर डॉक्टर ने जच्चा बच्चा दोनों को स्वस्थ बताया। जब प्रस्तुत के घर वालों को पता चला कि जच्चा–बच्चा दोनों स्वस्थ हैं तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

अयोध्या के इनायत नगर थाना क्षेत्र से बच्ची को घर ले जाकर युवक ने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

अयोध्या अयोध्या मिल्कीपुर, जनपद अयोध्या जिले के इनायतनगर थाना क्षेत्र में सात वर्षिया बच्ची को एक युवक बहला–फुसला कर अपने घर ले गया और बालिका के साथ दुष्कर्म किया। प्रकरण में बच्ची के मां की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं में नामजद केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण और उपचार के लिए भेजवाया है। बताया गया कि रविवार को दोपहर बाद लगभग 2 बजे 28 वर्षीय अमित मिश्रा पड़ोस की सात वर्षीय बालिका को घर में अकेला पाकर बहला–फुसलाकर अपने घर ले गया।पीड़िता की मां का कहना है कि युवक के चंगुल से भागकर पुत्री घर पहुंची तो उसने बताया कि चाचा ने उसके साथ गाली–गलौज की और जान से मार देने की धमकी देते हुए उसके साथ गलत कार्य किया। तत्काल मामले की जानकारी डायल– 112 के दी गई तो पुलिस टीम ने आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया। आज उसने नामजद शिकायत थाना पुलिस को दी है।सोमवार को प्रभारी निरीक्षक नीरज सिंह ने बताया कि बालिका के मां की शिकायत पर अमित के खिलाफ बालिका से दुष्कर्म, गाली–गलौज, धमकी तथा पॉक्सो अधि ानियम के तहत नामजद केस दर्ज किया गया है। पीड़ित बालिका को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजवाया गया है। नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है !

वैद्य आर पी पाण्डेय के खिलाफ हुई शिकायत, युवती ने लगाया छेड़खानी का आरोप

राज करण वर्मा वरिष्ठ पत्रकार अयोध्या चर्चित अनन्त शिखर के डा. आर पी पांडेय वैद्य के खिलाफ उनके हॉस्पिटल में कार्य करने वाली कम्प्यूटर ऑपरेटर अंजली कनौजिया नामक युवती ने एस एस पी अयोध्या से की शिकायत। सीओ अयोध्या कर रहे है मामले की जांच। वैद्य आर पी पांडेय पर आरोप लगाया गया है कि वे 5 हजार रुपये प्रति माह देने व रहने खाने के लिए कमरा दिया था धीरे धीरे वह मजबूरी का फायदा उठाकर अश्लील हरकत कर छेड़खानी करने लगे जिससे तंग आकर शिकायती पत्र दिया है। जल्द ही एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन सीओ अयोध्या ने दिया है। अब आरोपी वैद्य आर पी पांडेय द्वारा पीड़िता को सुलह करने का दवाव बना कर धमकी दी जा रही है कि सुलह नहीं करोगी तो तुम्हें फर्जी मुकदमे में फसा देंगे। हमारी बहुत अच्छी जान पहचान है सब पुलिस वाले हम को जानते हैं। वैद्य आर पी पांडेय ने सीओ अयोध्या कार्यालय में बयान देते समय अपने को गले का सूखा रोगी होना बताया। अपनी काली करतूतों पर पर्दा डालने की नियत से तमाम फर्जी मनगढ़ंत आरोप पीड़िता पर लगाए जा रहे हैं। पीड़िता ने कहा है कि यदि शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई तो उसके साथ कोई भी अनहोनी घटना हो सकती है क्योंकि वैद्य जी दूसरे के नंबर से उसको धमकी दिला रहे हैं और अश्लील शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। इसकी रिकॉर्डिंग भी उसने सीओ को भेजी है। पीड़िता ने कहा है कि यदि उसके साथ न्याय नहीं होगा तो वह माननीय मुख्यमंत्री से लखनऊ में जाकर शिकायत दर्ज कराएगी।

राम सरन पटेल गुरुकुल एकेडमी का फीता काटकर विधायक ने किया शुभारंभ

नवाबगंज, बहराइच। सीमावर्ती क्षेत्र के विकास खंड नवाबगंज के कस्बा बाबागंज स्तिथि चौरी कुटिया वीरपुर में राम सरन पटेल गुरुकुल एकेडमी विद्यालय का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। बताते चले विद्यालय का उद्धाटन मुख्य अतिथि नानपारा विधायक अपना दल (एस) राम निवास वर्मा ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष विधिवत पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया। उन्होंने इस मौके पर उपस्थिति जन समूह को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व को बताया।और कहा कि इंसान और जानवर में विशेष अंतर नहीं है परन्तु दोनों में अगर कोई अलग करता है तो वह सिर्फ शिक्षा ही है, शिक्षा ही मानवता का सबसे बड़ा गुण है शिक्षा से ही मनुष्य गुणवान होता है। मेरे द्वारा शिक्षा के मंदिर का उद्घाटन करना वर्ग की बात है। तत्पश्चात विद्यालय परिसर में पेड़ लगाकर हरियाली व पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया। विद्यालय प्रबंधक जीतेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि हाल ही में नर्सरी से आठ तक की कक्षाऐ संचालित होंगी। इस मौके पर मुख्य रूप से विध ानसभा अध्यक्ष पेशकार पटेल, जिला सविव प्रमोद पटेल, अल्पसंख्यक मंच रियाजुद्दीन सहित मैनेजर राजीव वर्मा, प्रिंसिपल राजेंद्र कुमार वर्मा, अरविन्द वर्मा उपस्थिति रहे।

समाजवादी पार्टी के सेक्टर प्रभारी मनोज वर्मा के भाई पर नंसा बाजार में हुआ जानलेवा हमला मामले में तीन लोग नामजद

तारुन ध्अयोध्या समान की खरीददारी कर घर लौटते सपा सेक्टर प्रभारी के भाई पर नंसा बाजार ब्रह्मबाबा के पास पांच लोगों ने मिलकर हॉकी लाठी लोहे की रॉड व डंडों से हमला बोल किया मरणासन्न। घटना सोमवार सायं 7 बजे की बताई गई हैं। बताया गया कि तारुन थाना क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर कमासिन निवासी मनोज कुमार वर्मा समाजवादी पार्टी के सेक्टर प्रभारी हैं।उनका भाई प्रिंस बाइक से करीबी बाजार नंसा में सोमवार की सायं समान की खरीददारी कर बाइक से घर लौट रहा था। बाजार के ब्रह्मबाबा देव स्थल पहुँचने पर पहले से घात लगाकर बैठे पांच लोगों ने मिल प्रिंस की बाइक रोक हमला बोल बेरहमी से मारपीट उन्हें मरणासन्न कर दिया। मामले की जानकारी पाकर दौड़े बाजारवासियों सहित आसपास के ग्रामीणों ने मौके पर पहुँच प्रिंस की जान बचाई। हमले में घायल का जिला अस्पताल में चल रहा है इलाज।थानाध्यक्ष अशोक कुमार यादव ने बताया कि मामले मे तीन नामजद सहित पांच लोगों के विरुद्ध धमकाने व गाली गलौज देकर जानलेवा हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कर जांच दरोगा मुन्नीलाल चौधरी को सौपी गयी हैं।

संत समाज के गौरव थे ब्रह्मलीन संत हरिबाबा महाराज

वृन्दावन।दावानल कुण्ड क्षेत्र स्थित श्रीहरिबाबा आश्रम में महाराज श्रीहरिबाबा मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहे संत प्रवर हरिबाबा महाराज के नव–दिवसीय 139 वें प्राकट्य महोत्सव के अंतर्गत वृहद संत–विद्वत सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसमें अपने विचार व्यक्त करते हुए चतुरू सम्प्रदाय के श्रीमहंत फूलडोल बिहारीदास महाराज व महंत हरिबोल बाबा महाराज ने कहा कि संत प्रवर हरिबाबा महाराज परम भजनानंदी व विरक्त संत थे।सत्संग, भगवद चिंतन, साधना एवं जप–तप महाराजश्री के जीवन के अभिन्न अंग थे।उन जैसे कर्मठ संतों से ही पृथ्वी पर धर्म व अध्यात्म का अस्तित्व है।पुराणाचार्य डॉ. मनोजमोहन शास्त्री व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि ब्रह्मलीन संत हरिबाबा महाराज समन्वयवादी व निस्पृह संत थे।सभी संप्रदायों के संत व महंत उन्हें आदर व सम्मान देते थे।पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ व पंडित राजाराम मिश्र ने कहा कि ब्रह्मलीन हरिबाबा महाराज संत समाज के गौरव थे।महाराजश्री की संत सेवा, गौ सेवा, विप्र सेवा एवं निर्धन निराश्रित सेवा आदि में अपार निष्ठा थी।इसी सब के चलते उन्होंने अपना समूचा जीवन व्यतीत किया।संत सेवानंद ब्रह्मचारी व डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री महाराज ने कहा कि पूज्य हरिबाबा महाराज सहजता, सरलता, उदारता और परोपकारिता की प्रतिमूर्ति थे।उन जैसी विभूतियों का अब युग ही समाप्त होता चला जा रहा है।

अयोध्या के गौ सेवक रितेश दास ने लावारिस लाश का किया अंतिम संस्कार

ादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या जनपद में ठंड, बारिस , तपती धूप सारे मौसम खुशनुमा लगते हैं जब आप अपने लिए नहीं किसी अनजान के लिए कुछ कर रहे होते हैंवादा अनुसार अब अयोध्या में कोई भी लावारिस नहीं कह लाएगा हमारा कंधे सदैव उनके साथ हैंगौ सेवक रितेश मिश्रा,श्री राम अस्पताल में एक बाबा का मौत हो गया था परिवार का पता ना होने के कारण 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम करा कर अयोध्या शमशान घाट पर माननीय महापौर ऋषिकेश उपाध्याय जी के निशुल्क लकड़ी बैंक से लकड़ी लेकर एवं अश्वनी गुप्ता से घूप चन्दन करायल लेकर हिन्दू रीति रिवाज से अन्तिम संस्कार कर दिया गयाटीम गौ सेवक रितेश मिश्रा अज्ञात सेवक मोनू अर्जुन सिंटू महराज भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दैनिक दिग्राम टुडे न्यूज अयोध्या के ब्यूरो प्रमुख वरिष्ठ पत्रकारअजय कुमार माझी ने लोकप्रिय समाजसेवी गौ रक्षक रितेश दास को सराहनीय कार्य के लिए बधाई दी है !

अयोध्या जिले में ,लो आ गई मगफिरत की रात शबे-बारात ...घरों, मस्जिदों व कब्रिस्तान में होगी इबादत

मांझी ,अयोध्या अयोध्या, कायनात का मालिक अल्लाह पहले आसमान पर जलवागार होकर पुकारेगा कि है कोई जो मगफिरत तलब करें तो मै उसे बख्श दूं। क्योंकि आ गई मगफिरत की रात शब–ए–बरात। जहन्नुम से निजात की रात कहा जाने वाला इस्लामी कैलेंडर का आठवां महीना शाबान की रात रहमतों का महीना रमजान से पहले पड़ने वाला

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवम
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

अयोध्या सांसद लल्लू सिंह ने दिया विद्यालय को एक अतिरिक्त कक्ष

विधानसभा क्षेत्र मिल्कीपुर के विद्यालय बाबा स्वामीनाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघौड़ा ख्प्रतापगंज, के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित सांसद लल्लू सिंह ने प्रबंध ा परिषद की पांच सूत्री मांगो पर अपने संबोधन में विद्यालय को चार लाख रुपए की लागत वाले अतिरिक्त कक्षा–कक्ष देने को कहा, साथ ही विद्यालय की अन्य मांगों को भी पूरा करने का आश्वासन दिया।अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि वे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के जनप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुरूप विद्यालय के छात्र छात्राओं के बौद्धिक विकास एवं सुलभ पठन–पाठन हेतु अतिरिक्त कक्षा कक्ष की मांग स्वीकार करते हैं अन्य मांगों जिनमें इंटरलॉकिंग, संपर्क मार्ग, विद्युतीकरण, शौचालय, सौर ऊर्जा की शीघ्र व्यवस्था का भी आश्वासन दिया।इस अवसर पर सांसद ने (ग्रहणी) लेखकध कवियित्री ममता सिंह की पुस्तक षजल का गुलदस्ताष का विमोचन भी किया। सांसद का स्वागत विद्यालय की छात्राओं ने नृत्य गीत प्रस्तुत कर किया।कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम उपाध्याय एवं पंकज श्रीवास्तव तथा समापन इंद्रजीत सिंह अर्चक पूर्व खंड विकास अधिकारी ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से संत भीखा दास रामजस महाविद्यालय मोहाली के प्राचार्य डॉ एनसी तिवारी,ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमानीगंज पवन सिंह, विजय कुमार उपाध्याय, शंभू सिंह, शीतला प्रसाद बाजपेई, बघौड़ा कुटी के नामित महान बड़ी छावनी अयोध्या के विजय दास, बंशीधर शर्मा, कुंवर बहादुर मिश्रा, दीपक पाठक।

अयोध्या के गोसाईगंज क्षेत्र में कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

मांझी ,अयोध्या अयोध्या, गोसाईगंज जनपद अयोध्या के गोसाईगंज कस्बे में स्थित खुले में बने कबाड़ के गोदाम में मंगलवार की सुबह अज्ञात कारणों से भयंकर आग लग गयी।आग से उठते विकराल ध ुएं को देख पूरे कस्बे में हड़कम्प मच गया। आग लगने से लाखों का कबाड़ जलकर राख हो गया। मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। कस्बा के लोग आग फैलने के डर से काफी देर दहले रहे। एसएचओ अक्षयकुमार के मुताबिक कस्बे के पूर्वी छोर पर आलम पुत्र सोहराब कबाड़ का काम करता है। आलम ने दुकान के पीछे खाली जगह पर खुले में गोदाम बना रखा है। मंगलवार की सुबह गोदाम में आग लग गयी और देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। मौके पर पहुंची पुलिस फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए आग बुझाने में जुटी गयी।कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि हवा तेज नहीं थी अन्यथा बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। आग लगने के कारणों का कुछ पता नही चल सका है। कबाड़ व्यवसायी आलम ने बताया कि उसका लाखों का कबाड़ जलकर राख हो गया।गोसाईगंज कस्बे में काफी अरसे से फायर स्टेशन की मांग की जा रही है। आज तक शासन प्रशासन ने इस पर कोई अमल नही किया।

राम चंद्र पौडेल होंगे नेपाल के नए राष्ट्रपति, चुनाव में सुभाष चंद्र नेमबांग को हराया

राम चंद्र पौडेल नेपाल के राष्ट्रपति चुने गए हैं। पौडेल ने सुभाष चंद्र नेमबांग को हराया है। नेपाल चुनाव आयुक्त ने जानकारी देते हुए कहा कि पौडेल ने 33,802 चुनावी वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी सुभाष चंद्र नेमबांग ने 15,518 चुनावी वोट हासिल किए।

राम चंद्र पौडेल को नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (माओवादी सेंटर) सहित आठ दलों के गठबंधन के 214 सांसदों और 352 प्रांतीय विधानसभा सदस्यों के वोट मिले। नेपाली कांग्रेस के प्रमुख शेर बहादुर देउबा ने ट्वीट किया कि मेरे मित्र राम चंद्र पौडेल को राष्ट्रपति चुने जाने पर हार्दिक बधाई। चुनाव आयोग के प्रवक्ता शालिग्राम ने कहा कि 518 प्रांतीय विधानसभा सदस्यों और संघीय संसद के 313 सदस्यों ने राष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया। नेपाल में 2008 में गणतंत्र बनने के बाद से यह तीसरा राष्ट्रपति चुनाव है।

इससे पहले नेपाल में राष्ट्रपति पद के लिए गुरुवार को मतदान हुआ। चुनाव आयोग ने बुधवार को चुनाव की सारी तैयारियों और नतीजों के बारे में जानकारी दी थी। राष्ट्रपति पद के लिए मतदान संसद के ल्होत्से हॉल में हुआ। नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार राम चंद्र पौडेल का मुकाबला सीपीएन–यूएमएल के नेता और उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र नेमबांग से था। नेपाली राष्ट्रपति पद के लिए मतदान सुबह 10 बजे शुरू हुआ और शाम में तीन बजे तक चला। चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति चुनाव के मतदान के लिए दो अलग पोलिंग बूथ बनाए थे, इनमें से एक पोलिंग बूथ पर संसद सदस्यों ने मतदान किया और दूसरे पोलिंग बूथ में प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों ने वोट डाला। सभी विधानसभाओं के सदस्य राष्ट्रपति चुनाव में मतदान के लिए राजधानी काठमांडू पहुंचे थे।

राम चंद्र पौडेल का पलड़ा था भारी

नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार और पार्टी के वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल को आठ पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। जिनमें प्रधानमंत्री प्रचंड की पार्टी भी शामिल थी। वहीं, सीपीएन–यूएमएल के उम्मीदवार सुभाष चंद्र नेमबांग को अपनी पार्टी के अलावा सिर्फ निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन की ही उम्मीद थी। नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।नेपाल के इलेक्टोरल कॉलेज में 884 सदस्य हैं, इनमें 275 सदस्य वहां की लोकसभा और 59 राज्यसभा और 550 सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। संसद सदस्य के एक वोट का वेटेज 79 है और प्रांतीय विधानसभा के एक वोट का वेटेज 48 है। इस तरह अगर सभी सदस्य वोट करते हैं तो इलेक्टोरल कॉलेज के कुल वोट 52,786 होंगे। राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को इन्हीं वोटों में से सबसे ज्यादा वोट पाने होते हैं। राजशाही समर्थक मानी जाने वाली पार्टी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और पार्टी ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।

JJ MEDIA NEWS
झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे
कार्य करने हेतु लोगो की
आवश्यकता है
संपर्क:- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

अहमदाबाद टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं ईशान किशन, जानें दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैच की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मैच को हर हाल में जीतना चाहेंगी। ऑस्ट्रेलिया के पास यह मैच जीतकर सीरीज 2–2 से बराबरी पर खत्म करने का मौका है। वहीं, भारत यह मैच जीतकर सीरीज3–1 से अपने नाम करेगा। इसके साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगी। सीरीज के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया की टीम में कोई भी बदलाव होने की संभावना कम है। हालांकि, भारतीय टीम अपनी ओपनिंग जोड़ी में बदलाव कर सकती है। इसके अलावा भारतीय टीम श्रीकर भरत की जगह ईशान किशन को विकेटकीपर के रूप में टीम इंडिया में मौका देना चाहेगी।शुभमन गिल और रोहित शर्माबदल सकता है रोहित का जोड़ीदारइस सीरीज के शुरुआती दो मैचों में लोकेश राहुल ने रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की थी, लेकिन वह दोनों मुकाबलों में फेल रहे थे। इसके बाद राहुल की खासी आलोचना हुई थी। बढ़ते दबाव के चलते तीसरे मैच में राहुल की जगह शुभमन गिल को मौका दिया गया, लेकिन वह भी इंदौर में कुछ खास नहीं कर सके। ऐसे में रोहित एक बार फिर राहुल को मौका दे सकते हैं। हालांकि, कोच द्रविड़ चाहेंगे कि गिल को एक और मौका दिया जाए। तीसरे नंबर पर चेतेश्वर पुजारा और चौथे नंबर पर विराट कोहली का खेलना तय है। पांचवें नंबर पर रवींद्र जडेजा और स्पिन जोड़ीदार के रूप में अश्विन का खेलना तय है। हालांकि, टीम इंडिया में विकेटकीपर के रूप में ईशान किशन को मौका मिल सकता है। अब तक श्रीकर भरत ने विकेट के पीछे प्रभावित किया है, लेकिन बल्ले के साथ वह कुछ खास नहीं कर पाए हैं। ऐसे में उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिल सकता है।ईशान किशनतेज गेंदबाज के रूप में मोहम्मद सिराज का खेलना तय है। अगर वनडे सीरीज से पहले कप्तान रोहित उन्हें आराम देने का फैसला करते हैं तो सिराज को आराम दिया जा सकता है। इस स्थिति में शमी और उमेश यादव खेल सकते हैं। इस मैच से पहले चर्चा है कि हरी पिच पर मैच हो सकता है। इस स्थिति में शमी, उमेश और सिराज तीनों तेज गेंदबाज खेल सकते हैं और तीसरे स्पिनर अक्षर पटेल को बाहर बैठना पड़ सकता है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैच की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मैच को हर हाल में जीतना चाहेंगी। ऑस्ट्रेलिया के पास यह मैच जीतकर सीरीज 2–2 से बराबरी पर खत्म करने का मौका है। वहीं, भारत यह मैच जीतकर सीरीज3–1 से अपने नाम करेगा। इसके साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगी। सीरीज के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया की टीम में कोई भी बदलाव होने की संभावना कम है। हालांकि, भारतीय टीम अपनी ओपनिंग जोड़ी में बदलाव कर सकती है। इसके अलावा भारतीय टीम श्रीकर भरत की जगह ईशान किशन को विकेटकीपर के रूप में टीम इंडिया में मौका देना चाहेगी।शुभमन गिल और रोहित शर्माबदल सकता है रोहित का जोड़ीदारइस सीरीज के शुरुआती दो मैचों में लोकेश राहुल ने रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की थी, लेकिन वह दोनों मुकाबलों में फेल रहे थे। इसके बाद राहुल की खासी आलोचना हुई थी। बढ़ते दबाव के चलते तीसरे मैच में राहुल की जगह शुभमन गिल को मौका दिया गया, लेकिन वह भी इंदौर में कुछ खास नहीं कर सके। ऐसे में रोहित एक बार फिर राहुल को मौका दे सकते हैं। हालांकि, कोच द्रविड़ चाहेंगे कि गिल को एक और मौका दिया जाए। तीसरे नंबर पर चेतेश्वर पुजारा और चौथे नंबर पर विराट कोहली का खेलना तय है। पांचवें नंबर पर रवींद्र जडेजा और स्पिन जोड़ीदार के रूप में अश्विन का खेलना तय है। हालांकि, टीम इंडिया में विकेटकीपर के रूप में ईशान किशन को मौका मिल सकता है। अब तक श्रीकर भरत ने विकेट के पीछे प्रभावित किया है, लेकिन बल्ले के साथ वह कुछ खास नहीं कर पाए हैं। ऐसे में उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिल सकता है।ईशान किशनतेज गेंदबाज के रूप में मोहम्मद सिराज का खेलना तय है। अगर वनडे सीरीज से पहले कप्तान रोहित उन्हें आराम देने का फैसला करते हैं तो सिराज को आराम दिया जा सकता है। इस स्थिति में शमी और उमेश यादव खेल सकते हैं। इस मैच से पहले चर्चा है कि हरी पिच पर मैच हो सकता है। इस स्थिति में शमी, उमेश और सिराज तीनों तेज गेंदबाज खेल सकते हैं और तीसरे स्पिनर अक्षर पटेल को बाहर बैठना पड़ सकता है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैच की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मैच को हर हाल में जीतना चाहेंगी। ऑस्ट्रेलिया के पास यह मैच जीतकर सीरीज 2–2 से बराबरी पर खत्म करने का मौका है। वहीं, भारत यह मैच जीतकर सीरीज3–1 से अपने नाम करेगा। इसके साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगी। सीरीज के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया की टीम में कोई भी बदलाव होने की संभावना कम है। हालांकि, भारतीय टीम अपनी ओपनिंग जोड़ी में बदलाव कर सकती है। इसके अलावा भारतीय टीम श्रीकर भरत की जगह ईशान किशन को विकेटकीपर के रूप में टीम इंडिया में मौका देना चाहेगी।शुभमन गिल और रोहित शर्माबदल सकता है रोहित का जोड़ीदारइस सीरीज के शुरुआती दो मैचों में लोकेश राहुल ने रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की थी, लेकिन वह दोनों मुकाबलों में फेल रहे थे। इसके बाद राहुल की खासी आलोचना हुई थी। बढ़ते दबाव के चलते तीसरे मैच में राहुल की जगह शुभमन गिल को मौका दिया गया, लेकिन वह भी इंदौर में कुछ खास नहीं कर सके। ऐसे में रोहित एक बार फिर राहुल को मौका दे सकते हैं। हालांकि, कोच द्रविड़ चाहेंगे कि गिल को एक और मौका दिया जाए। तीसरे नंबर पर चेतेश्वर पुजारा और चौथे नंबर पर विराट कोहली का खेलना तय है। पांचवें नंबर पर रवींद्र जडेजा और स्पिन जोड़ीदार के रूप में अश्विन का खेलना तय है। हालांकि, टीम इंडिया में विकेटकीपर के रूप में ईशान किशन को मौका मिल सकता है। अब तक श्रीकर भरत ने विकेट के पीछे प्रभावित किया है, लेकिन बल्ले के साथ वह कुछ खास नहीं कर पाए हैं। ऐसे में उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिल सकता है।ईशान किशनतेज गेंदबाज के रूप में मोहम्मद सिराज का खेलना तय है। अगर वनडे सीरीज से पहले कप्तान रोहित उन्हें आराम देने का फैसला करते हैं तो सिराज को आराम दिया जा सकता है। इस स्थिति में शमी और उमेश यादव खेल सकते हैं। इस मैच से पहले चर्चा है कि हरी पिच पर मैच हो सकता है। इस स्थिति में शमी, उमेश और सिराज तीनों तेज गेंदबाज खेल सकते हैं और तीसरे स्पिनर अक्षर पटेल को बाहर बैठना पड़ सकता है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैच की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मैच को हर हाल में जीतना चाहेंगी। ऑस्ट्रेलिया के पास यह मैच जीतकर सीरीज 2–2 से बराबरी पर खत्म करने का मौका है। वहीं, भारत यह मैच जीतकर सीरीज3–1 से अपने नाम करेगा। इसके साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगी। सीरीज के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया की टीम में कोई भी बदलाव होने की संभावना कम है। हालांकि, भारतीय टीम अपनी ओपनिंग जोड़ी में बदलाव कर सकती है। इसके अलावा भारतीय टीम श्रीकर भरत की जगह ईशान किशन को विकेटकीपर के रूप में टीम इंडिया में मौका देना चाहेगी।शुभमन गिल और रोहित शर्माबदल सकता है रोहित का जोड़ीदारइस सीरीज के शुरुआती दो मैचों में लोकेश राहुल ने रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की थी, लेकिन वह दोनों मुकाबलों में फेल रहे थे।

ख्वाजा के शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत, ग्रीन ने भारतीय गेंदबाजों की मेहनत पर पानी फेरा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले में पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 255 रन बना लिए हैं। कैमरून ग्रीन 49 और उस्मान ख्वाजा 104 रन बनाकर खेल रहे हैं। अहमदाबाद की सपाट पिच पर कंगारू टीम बेहतर स्थिति में है। अब दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी लंबी पारी खेल पहले पारी में विशाल स्कोर बनाना चाहेंगे। वहीं, टीम इंडिया जल्दी से जल्दी ऑस्ट्रेलिया की पारी खत्म कर बल्लेबाजी करना

चाहेगी। आइए जानते हैं इस मैच में पहले दिन क्या हुआ?ख्वाजा–हेड ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अच्छी शुरुआत की। ट्रेविस हेड और उस्मान ख्वाजा ने पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। अश्विन ने हेड को 32 रन के स्कोर पर आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और शमी ने मार्नस लाबुशेन को तीन रन के स्कोर पर बोल्ड कर भारत को दूसरा विकेट दिलाया। इसके बाद स्मिथ और ख्वाजा ने कोई और विकेट नहीं गिरने दिया, लेकिन दोनों ज्यादा रन भी

नहीं बना पाए। पहले सत्र का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 75ध2 था। भारत बनाम ऑस्ट्रेलियादूसरे सत्र में स्मिथ और ख्वाजा ने शानदार बल्लेबाजी की। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने दोनों को आसानी से रन नहीं बनाने दिए, लेकिन उन्हें दूसरे सत्र में कोई विकेट नहीं मिला। इस दौरान उस्मान ख्वाजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। दूसरे सत्र का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 149 रन था। दिन के तीसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा और जडेजा ने स्मिथ को 38 रन के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। तीसरे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी के बाद कंगारू टीम बेहतर स्थिति में थी, लेकिन शमी ने पीटर हैंड्सकॉम्ब को अपना दूसरा शिकार बनाया। हैंड्सकॉम्ब 17 रन बनाकर बोल्ड हुए। इसके बाद क्रीज पर आए ग्रीन ने शानदार बल्लेबाजी की और ख्वाजा के साथ अर्धशतकीय साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 200 न के पार पहुंचाया।भारत बनाम ऑस्ट्रेलियाऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत करने आए उस्मान ख्वाजा एक छोर पर जमे रहे। उन्होंने अपना शतक पूरा किया और टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाया। पांचवें विकेट के लिए वह कैमरून ग्रीन के साथ अब तक 85 रन की साझेदारी कर चुके हैं। ख्वाजा 251 गेंद में 104 रन बनाकर खेल रहे हैं। वहीं, ग्रीन 49 रन बनाकर क्रीज पर हैं।ग्रीन ने भारतीय गेंदबाजों की मेहनत पर पानी फेराइस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया था। सपाट पिच पर भारत ने रन नहीं लुटाए थे। शुरुआती दो सत्र में ऑस्ट्रेलियाई टीम सिर्फ दो विकेट खोने के बावजूद 149 रन ही बना पाई थी, जबकि तीसरे सत्र में कैमरून ग्रीन ने 64 गेंद में 49 रन जड़ दिए और ग्रीन के साथ मिलकर तेजी से रन बनाए। इसी के चलते ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे सत्र में 106 रन बना लिए और मैच में बेहतर स्थिति में पहुंच गया। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने दो विकेट लिए हैं। रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन एक–एक विकेट ले चुके हैं। उमेश और अक्षर ने भी अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन ये दोनों विकेट नहीं हासिल कर पाए।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले में पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 255 रन बना लिए हैं। कैमरून ग्रीन 49 और उस्मान ख्वाजा 104 रन बनाकर खेल रहे हैं। अहमदाबाद की सपाट पिच पर कंगारू टीम बेहतर स्थिति में है। अब दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी लंबी पारी खेल पहले पारी में विशाल स्कोर बनाना चाहेंगे। वहीं, टीम इंडिया जल्दी से जल्दी ऑस्ट्रेलिया की पारी खत्म कर बल्लेबाजी करना चाहेगी। आइए जानते हैं इस मैच में पहले दिन क्या हुआ?ख्वाजा–हेड ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अच्छी शुरुआत की। ट्रेविस हेड और उस्मान ख्वाजा ने पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। अश्विन ने हेड को 32 रन के स्कोर पर आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और शमी ने मार्नस लाबुशेन को तीन रन के स्कोर पर बोल्ड कर भारत को दूसरा विकेट दिलाया। इसके बाद स्मिथ और ख्वाजा ने कोई और विकेट नहीं गिरने दिया, लेकिन दोनों ज्यादा रन भी नहीं बना पाए। पहले सत्र का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 75ध2 था। भारत बनाम ऑस्ट्रेलियादूसरे सत्र में स्मिथ और ख्वाजा ने शानदार बल्लेबाजी की। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने दोनों को आसानी से रन नहीं बनाने दिए, लेकिन उन्हें दूसरे सत्र में कोई विकेट नहीं मिला। इस दौरान उस्मान ख्वाजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। दूसरे सत्र का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 149 रन था। दिन के तीसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा और जडेजा ने स्मिथ को 38 रन के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। तीसरे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी के बाद कंगारू टीम बेहतर स्थिति में थी, लेकिन शमी ने पीटर हैंड्सकॉम्ब को अपना दूसरा शिकार बनाया। हैंड्सकॉम्ब 17 रन बनाकर बोल्ड हुए। इसके बाद क्रीज पर आए ग्रीन ने शानदार बल्लेबाजी की और ख्वाजा के साथ अर्धशतकीय साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 200 न के पार पहुंचाया।भारत बनाम ऑस्ट्रेलियाऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत करने आए उस्मान ख्वाजा एक छोर पर जमे रहे। उन्होंने अपना शतक पूरा किया और टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाया। पांचवें विकेट के लिए वह कैमरून ग्रीन के साथ अब तक 85 रन की साझेदारी कर चुके हैं। ख्वाजा 251 गेंद में 104 रन बनाकर खेल रहे हैं। वहीं, ग्रीन 49 रन बनाकर क्रीज पर हैं।ग्रीन ने भारतीय गेंदबाजों की मेहनत पर पानी फेराइस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया था। सपाट पिच पर भारत ने रन नहीं लुटाए थे। शुरुआती दो सत्र में ऑस्ट्रेलियाई टीम सिर्फ दो विकेट खोने के बावजूद 149 रन ही बना पाई थी, जबकि तीसरे सत्र में कैमरून ग्रीन ने 64 गेंद में 49 रन जड़ दिए और ग्रीन के साथ मिलकर तेजी से रन बनाए। इसी के चलते ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे सत्र में 106 रन बना लिए और मैच में बेहतर स्थिति में पहुंच गया। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने दो विकेट लिए हैं। रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन एक–एक विकेट ले चुके हैं। उमेश और अक्षर ने भी अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन ये दोनों विकेट नहीं हासिल कर पाए।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले में पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभाष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21. 23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इस से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा